कोटद्वार, बुधवार
7 मई 2025
वर्षः 47
अंकः 17 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

केदारनाथ धाम मे नाच गाना करके पवित्रता भंग करने वालों पर हुआ अभियोग पंजीकृत

देहरादून। गत दिवस से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कुछ युवक केदारनाथ मन्दिर के पीछे के हिस्से में डी.जे. बजाकर नाचने सहित हो–हल्ला कर रहे हैं। इस वायरल वीडियो की के सम्बन्ध में आस–पास पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि यह वीडियो कपाट खुले के बाद का नहीं है। इस प्रकरण में वादी गिरीश देवली, प्रभारी अधिकारी बी.के.टी.सी. हाल केदारनाथ धाम द्वारा कोतवाली सोनप्रयाग पर दी गयी तहरीर के आधार पर मु.अ.सं. 08/2025 धारा 298 भारतीय न्याय संहिता (धार्मिक व पूजा स्थल को अपवित्र करना) सम्बन्धी अभियोग इन अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध पंजीकृत किया गया है। अभियोग की विवेचना प्रचलित है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से असामाजिक तत्वों का चिन्हीकरण किया गया हे और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

मजदूर सलीम के हत्यारोपी मां– बेटे गिरफ्तार

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में रुड़की में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी थी। करीब एक सप्ताह पूर्व टांडा भनेड़ा गांव में ईंट भट्टा पर मजदूर सलीम की हत्या के मामले में पुलिस ने मां– बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्यारोपी पुत्र की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद कर लिया है। पुलिस घटना में एक नाबालिग आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।पुलिस ने गिरफ्तार हत्यारोपी मां–बेटे को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। रविवार 27 अप्रैल की सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि टांडा भनेड़ा स्थित आसरा ईट भटटे पर कार्य करने वाले मजदूर सलीम की उसके पुत्र ने फावड़े से हत्या कर दी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस ने ईट भट्टा स्वामी जफरुद्दीन की तहरीर पर नामजद किए गए मृतक के पुत्र मुशाहिर के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया कि घटना के समय मृतक के पुत्र मुशाहिर के साथ एक नाबालिग आरोपी भी शामिल था, जिसने सलीम को पकड़ा था। इसके बाद उसके पुत्र मुशाहिर ने अपने पिता सलीम के सिर पर फावड़े से वार किया था। कुछ देर बाद ही सलीम की मौत हो गई थी। पुलिस ने हत्या में नाम सामने आने पर नाबालिग आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार किया था। जबकि मुख्य आरोपी मुजाहिर और उकसाने के आरोप में मां इमराना को सोमवार को गिरफ्तार किया।

जय शाह पहुंचे श्यामपुर खैरा ढाबे

हरिद्वार। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुत्र जय शाह सोमवार देर रात श्यामपुर के खैरा पंजाबी ढाबा पर पहुंचे। उनके साथ भाजपा के पौड़ी गढ़वाल प्रवक्ता विपिन कैंथोला भी मौजूद थे। जय शाह ने ढाबे पर चना मसाला, दाल तड़का, काजू करी और लच्छा पराठा खाया। खाने और स्टाफ की सेवा से संतुष्ट होकर उन्होंने ढाबा प्रबंधन की प्रशंसा की और स्टाफ को धन्यवाद दिया। अगले दिन मंगलवार को जय शाह अपने परिवार सहित दोबारा इसी ढाबे पर पहुंचे और लंच में छोले भटूरे, भिंडी मसाला, काजू करी, दाल तड़का और पाइन एप्पल रायता का ऑर्डर दिया।

वुलर झील का पर्यटन ठप, संकट में शिकारा मालिक

श्रीनगर ,कश्मीर के सोपोर में स्थित एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील वुलर झील हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पर्यटन के लिहाज से सूनी पड़ी है। 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले ने कश्मीर घाटी के पर्यटन उद्योग को गहरा झटका दिया है। वुलर झील के किनारे शिकारा मालिक और पर्यटन पर निर्भर परिवार अब आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि पर्यटकों की आवाजाही लगभग ठप हो चुकी है। आजीविका के लिए पर्यटकों पर निर्भर रहने वाले शिकारा मालिक हसन ने कहा, हम पूरे दिन इंतजार करते हैं, लेकिन कोई नहीं आता। कश्मीर अपने आतिथ्य के लिए जाना जाता है। हम शांति और पर्यटन की बहाली की मांग करते हैं। पहलगाम हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं, यह मानवता पर हमला है।

मुख्यमंत्री ने किया 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारम्भ

एक यूनिट महिलाओं की देखभाल के लिये समर्पित

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए, पांच पूर्ण रूप से सुसज्जित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

इस योजना का शुभारम्भ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर में किया गया। उन्होंने इस पहल को ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करने हेतु प्रभावी प्रयास बताया। सरकार के 'स्वस्थ उत्तराखंड, समृद्ध उत्तराखंड' मिशन के अनुरूप सप्ताह में छह दिन संचालित होने वाले ये एमएमयू

आवश्यक निदान और उपचार सुविधाओं से सुसज्जित हैं। राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में ये 5 एमएमयू निश्चित रूप से मददगार होंगे। इन एमएमयू का संचालन सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) द्वारा किया जाएगा और आरईसी (ग्रामीण विद्युतीकरण निगम) द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के हिस्से के रूप में वित्त पोषित किया जाएगा। प्रारम्भ में ये इकाइयां हरिद्वार में 2, उधम सिंह नगर में 2 और टिहरी गढ़वाल में 1 इकाई तीन साल की अवधि के लिए संचालित होंगी। इन पांच एमएमयू में से एक समर्पित महिला मोबाइल मेडिकल यूनिट भी है, जिसमें पूर्णतः महिला स्वास्थ्य देखभाल करने वाले कार्मिक सक्रिय हैं। वंचित क्षेत्रों में महिलाओं की विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, निदेशक स्वास्थ्य डॉ. सुनीता टम्टा, डी.एस.एन. मूर्ति, एम.डी. धनुष हेल्थ केयर, सुभाष चन्द्र उप महाप्रबंधक पी.एन.बी., एम.डी. पेनेसिया हॉस्पिटल देहरादून अश्विनी, सीएससी स्टेट हेड दीपक आदि उपस्थित थे।

जानकीचट्टी पार्किंग स्थल के पास से नहीं हटाया गया मलबा

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में गत वर्ष आई आपदा के बाद अभी तक बस पार्किंग के पीछे का मलबा नही हटाया गया है। जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मलबे में यहां बस पार्किंग के पीछे से उतरने के लिए सीढ़ी लगी है, जो मलबे में दबी है। इस कारण आवाजाही में दिक्कत होती है। बीते वर्ष बरसात के दौरान यमुना नदी में आई बाढ़ से जानकीचट्टी पार्किंग के आसपास भारी मलबा आ गया था, लेकिन यात्रा शुरू होने के बाद भी बस पार्किंग के पीछे अभी भी मलबा पड़ा हुआ है। वही, बस पार्किंग के पीछे से नीचे उतरने के लिए लगी सीढ़ी भी मलबे में दबी हुई है, जिससे पार्किंग के पीछे जाने के लिए यात्री सीढ़ी से नहीं उतर पा रहे है, जिस कारण उन्हें लंबे रैप से होकर उतरना पड़ता है। स्थानीय निवासी अरविंद रावत, जसपाल परमार, राकेश रावत, संदीप राणा, अजय सिंह आदि ने कहा कि पिछले साल से मलबे में दबी सीढ़ी का मलबा यात्रा शुरू होने से पहले ही हटा दिया जाना चाहिए था। इससे यात्रा व्यवस्थाओं की लापरवाही उजागर हो रही है। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के निरीक्षण के दौरों के बावजूद भी यमुनोत्री के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी स्थिति बस पार्किंग के पास जगह–जगह मलबा बिखरा हुआ है। शायद इस पर किसी की नजर नही पड़ी। मामले में बड़कोट एसडीएम बृजेश कुमार तिवारी ने कहा कि मामला संज्ञान में नही है। इसे दिखवाया जाएगा तथा ठीक किया जाएगा।

भोलेनाथ के भक्तों के लिए जरूरी खबर

केदारनाथ यात्रा में घोड़े–खच्चरों के संचालन पर रोक

6 घोड़े–खच्चरों की अचानक मौत के बाद यह फैसला लिया गया है। इन मौतों की असली वजह जानने के लिए भारत सरकार से विशेषज्ञों की टीम रुद्रप्रयाग पहुंच रही है। वहीं, संक्रमित या संदिग्ध घोड़ों को क्वारंटाइन किया जा रहा है और राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान, हिसार को जांच के लिए सैंपल भेजे गए हैं।

सचिव ने बताया कि 4 से 30 अप्रैल के बीच विभाग ने 16,000 से अधिक घोड़े–खच्चरों की स्क्रीनिंग की थी और केवल नेगेटिव रिपोर्ट वाले पशुओं को ही यात्रा में शामिल किया गया था। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध जारी रहेगा। साथ ही यह स्पष्ट किया कि यदि किसी ने बीमार पशु से कार्य करवाया तो संबंधित पशु मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रुद्रप्रयाग ,केदारनाथ यात्रा मार्ग पर चल रहे घोड़े–खच्चरों में एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस के लक्षण सामने आने के बाद पशुपालन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। सचिव पशुपालन डॉ. पुरुषोत्तम ने अधिकारियों के साथ बैठक कर अगले 24 घंटे तक सभी घोड़े–खच्चरों के संचालन पर पूर्ण रोक लगाने के आदेश दिए हैं। रविवार को 8 और सोमवार को

युद्ध की आहट के बीच गृह मंत्रालय का बड़ा कदम

1971 के बाद पहली बार 7 मई को राज्यों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के निर्देश

नई दिल्ली ,। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव और सैन्य टकराव की आशंका के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

एमएचए ने देश के कई राज्यों को आगामी 7 मई को नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। सरकार के सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए इन निर्देशों का समय अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस समय आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर है और किसी भी समय जंग छिड़ने जैसी स्थिति बनी हुई है। सूत्रों ने बताया कि इस तरह का देशव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास आखिरी बार साल 1971 में किया गया था, जिस साल भारत और पाकिस्तान के बीच दो मोर्चों पर युद्ध हुआ था। 53 साल बाद इस तरह के अभ्यास का निर्देश मौजूदा तनाव की गंभीरता और केंद्र सरकार की तैयारियों को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राज्यों को भेजे गए विस्तृत निर्देश में 7 मई को होने वाली मॉक ड्रिल के दौरान कई तरह के अभ्यास करने को कहा गया है। इन अभ्यासों में शत्रुतापूर्ण हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन सिस्टम का संचालन और इसके प्रति नागरिकों को जागरूक करना, संभावित हमले की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए नागरिकों, छात्रों और आम लोगों को नागरिक सुरक्षा के बुनियादी पहलुओं पर प्रशिक्षण देना, हमले के दौरान और उसके बाद सुरक्षित रहने और नुकसान को कम करने के उपायों के बारे में लोगों को जानकारी देना और उनका पूर्वाभ्यास कराना शामिल है।

निर्बाध गति से चल रही है चारधाम यात्रा : महाराज

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि चारधाम यात्रा सुव्यवस्थित एवं निर्बाध गति से चल रही है। पहलगाम की घटना के बाद युद्ध के हालात बनने की संभावनाओं के कारण अभी फिलहाल मसूरी एवं प्रदेश के अन्य पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की संख्या अपेक्षा के अनुरूप नही है लेकिन जैसे जैसे हालात सामान्य होंगे निश्चित रूप से बड़ी संख्या में पर्यटक उत्तराखंड का रुख करेंगे। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने होटल व्यवसायियों से अनुरोध किया है कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वह अपनी सभी सेवाओं को अतिथि देवो भवः की अपनी संस्कृति के अनुरूप गुणवत्ता युक्त रखें ताकि प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं और प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों के स्वागत और सत्कार का हम सभी को विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। महाराज ने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। 30 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ हुई चारधाम यात्रा के पंजीकरण के तहत अभी तक 25,26, 866 (पच्चीस लाख छब्बीस हजार आठ सौ छियासठ) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। जबकि ढाई लाख के लगभग श्रद्धालु अभी तक धामों में दर्शनों का लाभ उठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जीएमवीएन के गेस्ट हाऊसों के आधार पर कहा जा सकता है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारधाम का रुख करेंगे।

टोकन व्यवस्था के जरिए बाबा के दर्शन से श्रद्धालु संतुष्ट

– इस बार पैदल मार्ग पर रैन शेल्टर बढ़ाए जाने से मिल रही है राहत

देहरादून। विगत 2 मई शुक्रवार से केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू हो चुकी हैं, गत वर्ष की तरह इस बार भी यात्रा में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ रहा है। बाबा केदार के दर्शनों के लिए लगने वाली भीड़ की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर प्रशासन ने इस साल टोकन प्रणाली लागू की है। जिससे सभी यात्रियों को आसानी से बाबा के दर्शन हो रहे हैं।

देहरादून से केदारनाथ आए शुभ कुमार ने कहा कि टोकन व्यवस्था से भीड़ काबू में रही जिससे वे आसानी से दर्शन कर पाए। छत्तीसगढ़ से आई डॉ. दीपिका ने बताया कि टोकन व्यवस्था होने से उन्हें सुबह से लाइन में नहीं लगना पड़ा और निर्धारित टाइम स्लॉट पर वे आसानी से दर्शन कर पाए।

गाजियाबाद और मुरादाबाद से आए श्रद्धालुओं ने भी टोकन व्यवस्था पर प्रशासन की तारीफ की। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन बाबा केदारनाथ के दर्शनों के देश दुनिया से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का यात्रा अनुभव सुखद एवं सुगम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में मंदिर परिसर के प्रवेश से पहले ही हेलीपैड के समीप टोकन सिस्टम लगाया गया है, ताकि दर्शनों से पहले ही यात्री को उसके नंबर की जानकारी मिल जाए, इस बीच यात्री केदारपुरी घूम सकेंगे।

पाकिस्तान की नापाक हरकत, आठ जगहों पर किया सीजफायर का उल्लंघन, भारतीय सेना ने की जवाबी कार्रवाई

जम्मू ,पाकिस्तानी सेना के कारण नियंत्रण रेखा पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। यहां 12वें दिन भी पाकिस्तान की सैन्य चौकियों द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा के पार से गोलीबारी की।

भारतीय सेना के मुताबिक 05–06 मई की रात, पाकिस्तानी सेना ने जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के आसपास के इलाकों में गोलीबारी की। यह गोलीबारी नियंत्रण रेखा के पार से पाकिस्तान सेना की चौकियों द्वारा बिना उकसावे के छोटे हथियारों से की गई। भारतीय सेना ने इस गोलीबारी का उचित जवाब दिया।

पाकिस्तान न केवल नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है, बल्कि पाकिस्तान से जुड़े साइबर हैकर्स ने भारतीय वेबसाइट्स पर भी निशाना साधा है।

पाकिस्तानी साइबर हमलावरों ने भारत में रक्षा और सशस्त्र बलों से जुड़ी वेबसाइटों पर साइबर अटैक के जरिए संवेदनशील डेटा चुराने की कोशिश की है। पाकिस्तानी हैकर्स के ट्विटर अकाउंट पाकिस्तान साइबर फोर्स के माध्यम से यह दावा किया गया है कि उन्होंने भारतीय मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) और मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान से संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर ली है। इस दावे से यह संकेत मिलता है कि हमलावरों ने रक्षा कर्मियों से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारियां और लॉगिन क्रेडेंशियल्स तक पहुंच बनाई हो। भारत के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियों ने तुरंत प्रभावी कदम उठाते हुए कार्रवाई की है। जम्मू–कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद नियंत्रण रेखा पर मौजूदा स्थिति के बीच पाकिस्तान साइबर हैकर्स को भी आगे कर रहा है। इस बीच भारत संयम से लेकिन उचित कार्रवाई कर रहा है। भारत को वैश्विक समुदाय का भी साथ मिल रहा है। इसी कड़ी में जापान के रक्षामंत्री सोमवार को भारत पहुँचे। उन्होंने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस मुलाकात में जापान के रक्षा मंत्री ने भारत को पूर्ण समर्थन की बात कही। सोमवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षामंत्री जनरल नाकातानी के बीच यह महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान जापानी रक्षामंत्री ने भारत को अपना समर्थन दिया।

110 वाहनों के बेड़े में 16 सौ श्रद्धालु चार धाम यात्रा पर रवाना हुए

विकासनगर। चारधाम यात्रा संचालन केंद्र हरबर्टपुर और कटापत्थर से मंगलवर को छोटे–बड़े 110 वाहनों में 16 सौ यात्री चार धाम के लिए रवाना हुए। यातायात नियमों के उल्लंघन पर तीन यात्रा वाहनों के चालान किए गए। जबकि चार वाहनों में सवार यात्रियों के ट्रिप कार्ड में खामियां पाए जाने पर हरबर्टपुर और कटापत्थर में ऑनलाइन माध्यम से उनकी खामियों को दूर किया गया।

अभी तक कुल 9832 यात्री हरबर्टपुर और कटापत्थर से रवाना हो चुके हैं। हरबर्टपुर से चारधाम यात्रा जैसे–जैसे परवान चढ़ रही है, हरबर्टपुर और कटापत्थर में भी यात्रियों के जत्थे दिन प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। यात्रियों के पहुंचने से हरबर्टपुर, कटापत्थर के व्यापारियों के भी चेहरे खिले हुए हैं। यात्रा संचालन केंद्र में तैनात कर्मचारी, अधिकारी और सुरक्षा बलों के जवान यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रख रहे हैं। प्रशासन के आला अधिकारी भी हर दिन यात्रा संचालन केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंच रहे हैं। सोमवार से बाबा केदार और भगवान बद्री विशाल के दर्शनों के लिए भी हरबर्टपुर से यात्रियों के जाने का सिलसिला शुरू हो गया है।

भारत–पाक तनाव के बीच पीएमओ में उच्च–स्तरीय बैठक

पीएम मोदी, सीजेआई और राहुल गांधी हुए शामिल

नई दिल्ली ,देश की शीर्ष जांच एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो के अगले निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में, प्रधानमंत्री कार्यालय में एक उच्च–स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए।यह बैठक वर्तमान सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का दो साल का कार्यकाल 25 मई को समाप्त होने से ठीक पहले हुई है। सीबीआई निदेशक का चयन एक विशिष्ट उच्च–स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें ये तीनों प्रमुख हस्तियां शामिल होती हैं।सीबीआई निदेशक की नियुक्ति दिल्ली स्पेशल पुलिस इस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 1946 के तहत होती है। इस कानून में 2013 में किए गए

बदलावों के अनुसार, सीबीआई प्रमुख की नियुक्ति के लिए इस तीन–सदस्यीय समिति की सिफारिशें अनिवार्य हैं। समिति संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार–विमर्श करती है और अंततः सीबीआई निदेशक पद के लिए किसी एक नाम पर अपनी मुहर लगाती है। वर्तमान सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद 1986 बैच के कर्नाटक कैडर के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने की राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की घोषणा

– कहा, सनातन धर्म और धर्म ग्रंथों के बारे में अपशब्द कहने का अधिकार किसी को नहीं : शंकराचार्य

हरिद्वार। बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के दर्शन करने के बाद ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार फिर दोहराया कि राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बाहर कर दिया गया है। हरिद्वार के कनखल स्थित शंकराचार्य मठ में रात्रि विश्राम के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सनातन धर्म के धर्मग्रंथ मनु स्मृति के बारे में गलत बयानबाजी की इसलिए उन्होंने राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बाहर कर दिया है।

अविमुक्तेश्वरानंद ने बताया कि प्रयागराज कुंभ के दौरान राहुल गांधी ने संसद में मनु स्मृति के बारे में गलत बयानबाजी की तो उनकी और सभी साधु संतों ने पत्र भेजकर राहुल गांधी से जवाब मांगा था। 1 महीने तक जवाब न मिलने पर उन्हें दोबारा से रिमाइंडर भेजा गया। अब तीन महीने बाद भी जवाब न मिलने पर राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत किया गया है। शंकराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म और धर्म ग्रंथों के बारे में अपशब्द कहने का अधिकार किसी को नहीं है। जिस संविधान की बात राहुल गांधी करते हैं इस संविधान में किसी भी धर्म के प्रति चोट न पहुंचाने के बारे में भी लिखा गया है। इसलिए उन्हें ज्योतिष पीठ ने हिंदू धर्म से बहिष्कृत किया गया।स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने वक्फ बोर्ड के सवाल पर कहा कि पहले की सरकार ने वक्फ बोर्ड बनाया तो अब

की सरकारों को उसे भंग कर देना चाहिए। आज देश में भूमि की कमी है और वक्फ बोर्ड ने जमीनों पर कब्जा कर रखा है। वक्फ बोर्ड में संशोधन की जगह उसे भंग कर देना चाहिए लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है। उन्होंने चारधाम यात्रा में व्यवस्थाओं की सराहना की और बताया कि अभी तक चारधाम यात्रा सुगम और सुरक्षित संचालित हो रही है। आशा करते हैं कि भविष्य में भी ऐसे ही यात्रा चलती रहेगी।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

दरअसल, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पिछले दिनों लोकसभा में हाथरस गैंगरेप की घटना का जिक्रकरते हुए मनुस्मृति पर एक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, ह्यकुछ दिन पहले मैं हाथरस गया। हाथरस में चार साल पहले एक लड़की का बलात्कार होता है। गैंगरेप होता है। तीन–चार लोग गैंगरेप करते हैं। मैं दो–तीन दिन पहले उस लड़की के घर गया। जिन्होंने गैंगरेप किया वो बाहर घूम रहे हैं और लड़की का परिवार अपने घर में बंद है। लड़की का परिवार बाहर नहीं जा सकता है, जो अपराधी है वो उन्हें रोज धमकाते हैं और बाहर घूम रहे हैं। परिवार ने कहा कि उन्हें बेटी का अंतिम संस्कार नहीं करने दिया। मुख्यमंत्री ने मीडिया में झूठ बोला। यह संविधान में कहां लिखा है कि जो बलात्कार करते हैं वो बाहर रहें और जिसका रेप हुआ उस परिवार को बंद कर दिया जाए। कहां लिखा है संविधान में, यह आपकी किताब में लिखा है, मनुस्मृति में लिखा है मगर संविधान में नहीं लिखा है। अगर आप कहते हो कि यूपी में आपका राज है और संविधान नहीं लागू होता है।ह्न प्रयाराज धर्म संसद के दौरान राहुल गांधी के इस बयान पर निंदा प्रस्ताव पास किया गया था और उनसे जवाब मांगा गया था।

जो मनुस्मृति को अपना नहीं मानता वह हिंदू नहीं: शंकराचार्य

शंकराचार्य ने राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की घोषणा करते हुए कहा, 'राहुल गांधी की बातों से दो बातें साफ हो गईं। एक उन्होंने कहा कि तुम्हारी किताब में लिखा है, तुम्हारी किताब शब्द बताता है कि राहुल गांधी मनुस्मृति को अपनी किताब नहीं मानते। जो भी हिंदू हैं वो मनुस्मृति को मानते हैं। केवल मनुस्मृति नहीं 18 स्मृतिया हैं, वही धर्म शास्त्र हैं। मनुस्मृति हम हिंदुओं का धर्म ग्रंथ है। जो मनु स्मृति को अपनी किताब नहीं मानता है तो वह हिंदू कैसे हो सकता है? फिर भी उन्हें मंदिर–मंदिर घूमते हुए देख हमने उनसे सवाल किया था। आपने कहा कि मनुस्मृति बलात्कारियों का संरक्षण किया है, ऐसा आक्षेप आपने किया है। दूसरा आपने कहा कि तुम्हारी किताब यानी आप उसे अपनी किताब नहीं मानते। इस विषय में उनसे जवाब मांगा गया था। एक महीने में जवाब नहीं मिला तो दूसरा और तीसरा रिमाइंडर भेजा गया। उसका भी जवाब नहीं आया है। तीन महीने हो चुके हैं।'

सम्पादकीय

सामाजिक न्याय की राह में बड़ा कदम

केंद्र सरकार ने एक दूरदर्शी और साहसिक निर्णय लेते हुए जातिगत जनगणना कराने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह कदम भारतीय समाज में समावेशिता और न्यायपूर्ण विकास की नींव को और मजबूत करने वाला है। लंबे समय से चली आ रही इस मांग को स्वीकार कर सरकार ने यह संकेत दिया है कि वह सामाजिक यथार्थ को पहचानने और उसके अनुरूप योजनाएं गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्र भारत में जातिगत जनगणना आखिरी बार 1931 में अंग्रेजी शासन में हुई थी। 2011 में यूपीए सरकार ने जरूर प्रयास किया, लेकिन आंकड़ों की प्रस्तुति में व्यावहारिक जटिलताओं के कारण उसे अधूरा ही छोडना पड़ा। चूंकि जनगणना एक केंद्रीय विषय है, इसलिए राज्य सरकारें केवल सर्वेक्षण तक सीमित रहीं। भाजपा ने इस मुद्दे पर संतुलित और तथ्यात्मक रुख अपनाया। बिहार में जातीय सर्वे का समर्थन कर उसने स्पष्ट किया कि वह सामाजिक न्याय के विषयों को नजरअंदाज नहीं करती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस विचार को समर्थन देकर सामाजिक संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों, विशेषकर राहुल गांधी, ने इसे अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाकर जोर–शोर से उठाया। अब जबकि केंद्र सरकार स्वयं इस दिशा में सक्रिय हुई है, तो निश्चित ही यह एक ठोस और सकारात्मक संकेत है कि सरकार समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की दिशा में प्रतिबद्ध है। प्रश्न यह है कि क्या यह जातिगत जनगणना वास्तव में सामाजिक न्याय को गहराई देगी या फिर जातिवाद की राजनीति को नई ऊर्जा प्रदान करेगी ? यह इस बात पर निर्भर करेगा कि इन आंकड़ों का उपयोग किस दृष्टि से किया जाएगा,राजनीतिक लाभ के लिए या समावेशी विकास के लिए ! भारतीय राजनीति में जाति दरअसल, एक सामाजिक सच्चाई है। इसलिए यह ध्यान रखना होगा कि जब सामाजिक कल्याण की योजनाएं जातीय आधार पर बनती हैं, तब सटीक आंकड़े आवश्यक हो जाते हैं। अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गणना नियमित होती रही है, किंतु ओबीसी वर्ग का वास्तविक अनुपात आज भी स्पष्ट नहीं है। अब जब सभी जातियों की गणना होगी, तो यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि सभी धर्मों में व्याप्त जातिगत वर्गीकरण को भी आंकड़ों में स्थान मिले। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस पहल को सामाजिक समरसता और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक बनाया जाए। यह आवश्यक है कि इसके आंकड़े किसी प्रकार के सामाजिक विभाजन का आधार न बनें। यदि यह केवल जातीय राजनीति को प्रोत्साहन देता है, तो यह मूल उद्देश्य से भटकाव होगा। बहरहाल,यह मामला उतना सरल नहीं है, जितना दिखता है, इसलिए मोदी सरकार के समक्ष अब सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि इस प्रक्रिया को पारदर्शी, उद्देश्य परक और समावेशी कैसे बनाया जाए ! यदि इस पहल से समाज के पिछड़े वर्गों को वास्तविक लाभ मिलता है और योजनाएं अधिक लक्षित बनती हैं, तो यह भारत की सामाजिक संरचना को अधिक मजबूत और न्यायसंगत बनाएगा। इसलिए यह कहना उचित है कि केंद्र सरकार का यह कदम सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इसकी सफलता इस बात में निहित है कि इसका उपयोग देश को जोडने के लिए किया जाए, न कि विभाजित करने के लिए। जनगणना की उपयोगिता तभी है जब वह आंकड़ों को अवसर में बदल सके यानी विकास, भागीदारी और समानता के अवसर में।

न्यायपालिका की आलोचना मौजूदा राजनीतिक माहौल

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करने वाले तमाम सांसदों, नेताओं, कथित बुद्धिजीवियों, यूट्यूबर्स आदि को पढ़ने और उनके वीडियो सुनने के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि मेरिट पर भले फैसला सही हो लेकिन न्यायपालिका में बहुत कमियां हैं इसलिए उनका फैसला गलत है। फैसले का विरोध करने वाले 'विद्वानोंइ ने जो तर्क दिए, उनमें से कई बहुत दिलचस्प हैं। कहा गया, कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति और तबादले होते हैं और इसमें भाई–भतीजावाद होता है, अमुक व्यक्ति को जमानत देने के लिए एक चीफ जस्टिस ने एक दिन में दो बार बेंच बदली, अमुक व्यक्ति के लिए छुट्टी के दिन बेंच बैठी, अमुक व्यक्ति के मामले में सुनवाई के लिए आधी रात को अदालत खुली, अमुक जज के यहां से नोटों के बंडल निकले लेकिन एफआईआर नहीं हुई, अदालतों में बहुत छुट्टियां होती हैं, अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं, जज महीनों तक फैसला सुरक्षित रख लेते हैं, जज अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं देते हैं आदि आदि। 'विद्वानोंइ ने यह साबित किया है कि अदालतें अब भी कांग्रेस के हिसाब से चलती हैं क्योंकि कांग्रेस आजादी के समय से वकीलों की पार्टी रही है।

अजीत द्विवेदी

न्यायिक सक्रियता की हमेशा आलोचना होती रही है। यह आम धारणा है कि सरकार कमजोर होती हैं तो न्यायपालिका सक्रिय हो जाती है और वह विधायिका व कार्यपालिका दोनों के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करती है या करने की कोशिश करती है। भारत में न्यायिक सक्रियता की सबसे तेज गूंज तभी सुनाई दी थी, जब देश में गठबंधन की सरकारों का दौर शुरू हुआ।

आठवें दशक के आखिरी दिनों से लेकर समूचे नब्बे के दशक में भी न्यायपालिका खूब सक्रिय रही। अनायास नहीं है कि उसी दौर में जजों की नियुक्ति और तबादले का कॉलेजियम सिस्टम भी शुरू हुआ। उस समय सर्वोच्च अदालत के फैसलों से कई नीतियां तय हुईं। आरक्षण की सीमा तय करने से लेकर क्रीमी लेयर बनाने तक के सारे काम उसी दौर में हुए।

तब भी न्यायपालिका की खूब आलोचना होती थी। लेकिन उस समय की आलोचना और अभी हो रही आलोचना में एक बुनियादी फर्क है। उस समय अदालतों के फैसले के गुणदोष पर ज्यादा चर्चा होती थी। हर फैसले को उसके गुणदोष की कसौटी पर कसा जाता था। आलोचना के लिए संवैधानिक तर्क दिए जाते थे। लेकिन अब आलोचना में बौद्धिक दरिद्रता झलकती है। अब फैसले के गुणदोष पर बात नहीं होती है और न फैसले को गलत साबित करने के लिए कोई संवैधानिक तर्क दिया जाता है। अब न्यायपालिका की आलोचना राजनीति में चलने वाले कुतर्कों से की जाती है।

मिसाल के तौर पर तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधानसभा से पारित 10 विधायकों को लंबे समय तक लंबित रखने के मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जो आलोचना हो रही है उसमें इस फैसले को संवैधानिक प्रावधानों की कसौटी पर गलत साबित करने का एक भी तर्क नहीं दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि अदालतें कानून बनाने लगेंगी तो संसद और विधानसभाओं में ताला लगा देना चाहिए। लेकिन क्या कोई बता सकता है कि अदालत ने कौन सा कानून बना दिया है? कानून तो बना हुआ है कि विधानसभा से पारित किसी भी विधेयक को राज्यपाल मंजूरी देंगे या वापस लौटाएंगे या राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजेंगे।

यही तीन विकल्प हैं। कानून में यह भी लिखा हुआ है कि अगर राज्यपाल ने विधेयक लौटाया है और विधानसभा उसे दोबारा पारित करके भेजेगी तो अनिवार्य रूप से राज्यपाल को उस पर मंजूरी देनी होगी। यह सब संविधान में लिखा हुआ है। लेकिन इस कानून में एक लूपहोल खोज लिया गया कि इसमें यह नहीं लिखा गया है कि कितने समय में बिल को मंजूरी देनी है या कितने समय में लौटाना है। इस लूपहोल के आधार पर बिल तीन तीन साल लटका दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ इस संवैधानिक प्रावधान की व्याख्या की है और उसकी विसंगति को दूर किया है। सोचें, आमतौर पर कानून से बचने के लिए आरोपियों के वकील कानून के लूपहोल्स निकालते हैं। लेकिन जब संवैधानिक प्राधिकार लूपहोल्स का इस्तेमाल करने लगे तो क्या किया जाए!

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करने वाले तमाम सांसदों, नेताओं, कथित बुद्धिजीवियों, यूट्यूबर्स आदि को पढ़ने और उनके वीडियो सुनने के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि मेरिट पर भले फैसला सही हो लेकिन न्यायपालिका में बहुत कमियां हैं इसलिए उनका फैसला गलत है। फैसले का विरोध करने वाले 'विद्वानोंइ ने जो तर्क दिए, उनमें से कई बहुत दिलचस्प हैं।

कहा गया, कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति और तबादले होते हैं और इसमें भाई–भतीजावाद होता है, अमुक व्यक्ति को जमानत देने के लिए एक चीफ जस्टिस ने एक दिन में दो बार बेंच बदली, अमुक व्यक्ति के लिए छुट्टी के दिन बेंच बैठी, अमुक व्यक्ति के मामले में सुनवाई के लिए आधी रात को अदालत खुली, अमुक जज के यहां से नोटों के बंडल निकले लेकिन एफआईआर नहीं हुई, अदालतों में बहुत छुट्टियां होती हैं, अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं, जज महीनों तक फैसला सुरक्षित रख लेते हैं, जज अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं देते हैं आदि आदि।

'विद्वानोंइ ने यह साबित किया है कि अदालतें अब भी कांग्रेस के हिसाब से चलती हैं क्योंकि कांग्रेस आजादी के समय से वकीलों की पार्टी रही है। यह भी कहा जा रहा है कि अमुक वकील के पिता भी किसी हाई कोर्ट के एडवोकेट जनरल थे या अमुक आरोपी के पिता कई बरसों तक अटॉर्नी जनरल रहे। सोचें, इसमें राज्यपाल और राष्ट्रपति पर दिए गए फैसले का पहलू कहां है? बौद्धिक दरिद्रता का आलम यह है कि न्यायपालिका की आलोचना के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू की सरकार द्वारा किए गए पहले संविधान संशोधन की तरफदारी की जा रही है और यह भी याद दिलाया जा रहा है कि इंदिरा गांधी व राजीव गांधी ने हैसियत बता दी थी न्यायपालिका की।

इस पूरी जमात का सबसे बड़ा बौद्धिक तर्क यह है कि देश के करोड़ों लोगों ने जिनको चुना है वे सबसे ऊपर हैं और काला कोट पहनने वाले दो या पांच लोग तय नहीं करेंगे कि देश के लिए क्या अच्छा है। यह एक धूर्तापूर्ण तर्क है, जो संवैधानिक व्यवस्था की बजाय चुनी हुई सरकार की तानाशाही की तरफदारी करता है।

अगर इस तर्क को मानें कि चुनी हुई सरकार सबसे ऊपर है और उसे ही यह तय करने का अधिकार है कि देश और उसकी जनता के लिए क्या अच्छा है तो फिर किसी भी मसले पर अदालतों के फैसलों की क्या जरुरत है? सोचें, यही कुपढ़ और अपढ़ लोग जो एक फैसले के लिए न्यायपालिका की बखिया उधेड़ रहे हैं उन्होंने उसी न्यायपालिका के कितने फैसलों का जश्न मनाया है! जब काला कोट पहनने वाले लोग कुछ भी तय नहीं कर सकते हैं तो फिर उनके फैसलों पर जश्न मनाने की क्या जरुरत है? असल में इनकी तारीफों की तरह ही इनकी आलोचना भी दिशाहीन और बुद्धिनिरपेक्ष है।

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या की जमीन हिंदू पक्ष को दे दी और कहा कि मुस्लिम पांच किलोमीटर दूर मस्जिद बनाएं तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कह दिया कि ईवीएम से चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कहा कि पांच से ज्यादा वीवीपैट मशीनों का ईवीएम से मिलान करने की जरुरत नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई। अदालत ने कहा कि वाराणसी के ट्रायल कोर्ट के जज ने ज्ञानवापी के सर्वे की मंजूरी देकर ठीक किया है क्योंकि सर्वे से किसी धर्मस्थल की संरचना नहीं बदल रही है और इसलिए यह धर्मस्थल कानून का उल्लंघन नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई।

अदालत ने कह दिया कि चुनावी बॉन्ड से चंदा अवैध था लेकिन पार्टियों को मिला चंदा वापस लेने या उसकी जांच की जरुरत नहीं है तो अदालत की जय जयकार हुई, अदालत ने तीन तलाक को अवैध घोषित कर दिया तो उसकी जय जयकार हुई, अदालत ने अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले को सही ठहराया तो उसकी जय जयकार हुई। लेकिन उसी अदालत ने कह दिया कि विधानसभा से पारित विधेयक को राज्यपाल द्वारा एक निश्चित समय सीमा में मंजूरी दे दी जानी चाहिए तो फिर अदालत की सारी कमियां और जजों की कई पुश्तों की सच्ची झूठी कहानियां सामने आ जाती हैं।

अदालत वाक व अभिव्यक्ति की आजादी बचाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 66ए को निरस्त कर दे या फिर समलैंगिकता को अपराध बनाने वाली धारा को निरस्त कर दे तो फिर अदालत की ऐसी तैसी कर दी जाती है।

इन्हीं कुतर्कों के आधार पर अगर विधायिका और कार्यपालिका के बारे में विचार किया जाए तो क्या होगा? लोकसभा के करीब आधे सांसदों के ऊपर आपराधिक मामले हैं। हत्या, बलात्कार, डकैती, बैंक लूट, चोरी, अपहरण, हत्या के प्रयास, मारपीट, बैंक फ्रॉड, ठगी, धोखाधड़ी जैसे आपराधिक मामलों के आरोपी संसद और विधानसभाओं में हैं। सांसदों पर पैसे लेकर वोट देने और पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोप लगे हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों के झूठे ट्रैवल बिल बनाने का किस्सा भी कुछ समय पहले सामने आया था।

निर्वाचित प्रतिनिधियों पर अपनी निधि का पैसा कमीशन लेकर बेचने की आरोप लगते रहे हैं और कहीं भी इसकी कहानियां सुनने को मिल सकती है। राजनीति में वंशवाद फलफूल रहा है और धनबल, बाहुबल से लोग चुनाव जीत रहे हैं। इस तरह के सभी लोग कानून बना सकते हैं क्योंकि इनको जनता ने चुना है लेकिन कानून की पढ़ाई करके और बरसों प्रैक्टिस के बाद जज बने लोग कानून की व्याख्या नहीं कर सकते हैं क्योंकि वे कॉलेजियम से चुने जाते हैं, छुट्टी बहुत करते हैं, मुकदमे बहुत लंबित हैं आदि आदि।

बहरहाल, तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ जितना भी बोला या लिखा गया है उसमें कहीं भी यह सुनने या पढ़ने को नहीं मिला कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के पद का सृजन करते समय संविधान सभा में क्या बहस हुई थी। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने क्या कहा था? प्रोफेसर केटी शाह ने क्या कहा और क्या संशोधन प्रस्तावित किया? टीटी कृष्णामचारी ने क्या कहा? इमरजेंसी के समय क्या हुआ था? उससे एक साल पहले शमशेर सिंह बनाम पंजाब सरकार के केस में क्या हुआ था?

आखिर कहां गायब हो जाते हैं ये मासूम

वसी जैदी

भारत में हर दिन हजारों की संख्या में बच्चे लापता हो रहे हैं, वह भी एक ऐसे दौर में जब हर कहीं पलक झपकते सूचना पहुंच जाती हो, तो हर साल देशभर से लगभग 80,000 से ज्यादा बच्चों के गायब होने का क्या मतलब है? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि साल 2022 में 83,350 बच्चे गायब हुए, जिनमें 20,380 लडक़े व 62,946 लड़कियां और 24 ट्रांसजेंडर थे। इनमें ज्यादातर तलाश भी लिए गये लेकिन 2781 बच्चे हमेशा हमेशा के लिए ओझल हो गये। जबकि इसके पहले एनसीआरबी ने जो डाटा 2023 में पेश किया था, उसमें लापता हुए बच्चों की संख्या 76,069 थी। मतलब साफ है कि अगले एक साल में लापता हुए बच्चों की संख्या में तकरीबन 6000 की बढ़ोतरी हो गई। जबकि 2022में गायब होने वाले बच्चों की संख्या सिर्फ 33,650 थी। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बच्चों के गायब होने की संख्या में भारी बढ़ोतरी हो रही है। सवाल है एक तरफ जहां बच्चों की सुरक्षा के लिए हर साल नई से नई बातें कही जाती हैं, कसमें खायी जाती हैं और आधुनिक से आधुनिक उपकरण लगाकार सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। फिर भी मासूमों के गायब होने के सिलसिले में जरा भी कमी आने की बजाय बढ़ोतरी क्यों रही है? अगर इस मामले में हम एनसीआरबी के आंकड़ों की जगह उन गैरसरकारी संस्थाओं पर यकीन करें, जो बच्चों के लापता होने की समस्या में काम करती हैं, तो बच्चों के गायब होने की वास्तविक संख्या इससे ज्यादा है। इनके मुताबिक तो हर साल 80–85 हजार नहीं बल्कि कई लाख बच्चे गायब हो रहे हैं। यही वजह है कि आज देश में हर एक मिनट में कम से कम दो बच्चे गायब हो रहे हैं। घर से बिछुडक़र आखिर ये मासूम कहां चले जाते हैं? क्योंकि जो बच्चे अगले एक महीने तक नहीं मिलते, घरों से गायब होने वाले ऐसे बच्चों के घर वापस न आने की आशंका करीब सौ प्रतिशत हो जाती है। गायब होने के बाद जो बच्चे मिल जाते हैं, उनके बारे में तो हम थोड़ा–बहुत जानते भी होते हैं कि इन्हें कौन और कैसे बहला–फुसलाकर ले गया था, लेकिन जो बच्चे कभी लौटकर आये ही नहीं, उनके बारे में मां–बाप कुछ भी नहीं जानते। संचार के साधनों के बावजूद एक–डेढ़ प्रतिशत बच्चे गायब होने के बाद कभी वापस नहीं आते। हालांकि अपराधियों की धड़पकड़ में हाल के सालों में इजाफा हुआ है। पुलिस के पास आज पहले के मुकाबले जांच पड़ताल के बेहतर संसाधन हैं, इसके बाद भी गायब बच्चों की एक तय संख्या लौटकर घर नहीं आती, तो आखिर उनका होता क्या है? उनका कोई सुराग क्यों नहीं मिलता ?नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के डाटा विश्लेषण के मुताबिक हर दिन हजारों की संख्या में गायब होने वाले बच्चों में से बहुत मामूली संख्या में ही बच्चे लौटकर आ पाते हैं। सैकड़ों बच्चों की तो रिपोर्ट ही नहीं लिखी जाती, उनके मां–बाप द्वारा कोशिश किये जाने पर पुलिस उन्हें डांटकर थाने से भगा देती है।

वर्षों बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नहीं

कॉमनवेल्थ घोटाले का मुकदमा भी ढह गया है। कहा जा सकता है कि जांच एजेंसियों और लेट–लतीफ न्याय व्यवस्था की खामी के कारण ऐसा हुआ है। मगर 15 साल बाद भी व्यवस्था नहीं सुधारी, तो उसके लिए दोषी कौन है? कॉमनवेल्थ खेल घोटाले का मुकदमा भी ढह गया है। दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मुकदमा बंद करने की रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। यह कथित घोटाला उस कथानक का एक बड़ा पहलू था, जिसको लेकर 2010–11 में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन खड़ा किया गया। 2–जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला, कोयला खदान आवंटन घोटाला और मुंबई की आदर्श हाउजिंग सोसायटी घोटाला इसके अन्य पहलू थे। तत्कालीन यूपीए सरकार ने उन सभी मामलों में कानूनी प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई की। सत्ता पक्ष से जुड़े कई नेताओं को अपने पद छोड़ने पड़े। कुछ को जेल की हवा भी खानी पड़ी। जो नेता जेल गए, उनमें सुरेश कलमाडी भी थे, जो कॉमनवेल्थ खेलों के आयोजन में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका के कारण घेरे में आए थे। मगर तत्कालीन सरकार की कार्रवाइयों को अविश्वसनीय बताने का ऐसा जोरदार अभियान छेड़ा गया कि मनमोहन सिंह सरकार और कांग्रेस पार्टी की छवि खलनायक की बन गई। अन्ना आंदोलन और उसके गर्भ से निकली आम आदमी पार्टी उस आंदोलन के मूर्त रूप थे। लेकिन उसके पीछे बड़े सियासी और औद्योगिक हितों के हाथ की चर्चा तब से लेकर आज तक रही है। भारत के इतिहास में जब विवेकहीनता के मौजूदा माहौल की चर्चा होगी, तो इसकी जड़ों की तलाश उसी दौर में की जाएगी। तब भ्रष्टाचारियों को सरेआम फांसी पर लटकाने की मांग को लेकर उभारे गए जन उद्वेग ने आगे चल कर अन्य मसलों पर भी उसी तरह का माहौल बनाने का रास्ता साफ किया।

पैन इंडिया फिल्म 45 का टीजर जारी

फिल्म '45 में शिवराजकुमार दर्शकों को एक अलग अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 अगस्त, 2025 को कन्नड़, हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होने वाली है। दक्षिण की कई फिल्में इन दिनों देश भर में रिलीज हो रही हैं और खूब पसंद की जा रही है। इसी लिस्ट में अब फिल्म '45 भी शामिल हो रही है। इस फिल्म के साथ शिवराजकुमार के अलावा उपेंद्र और राज बी शेट्टी भी जुड़े हुए हैं। फिल्म की कहानी में नंबर 45 की बहुत बड़ी भूमिका है। इस फिल्म का लॉन्च इवेंट मुंबई में हुआ, जहां पर इसका टीजर जारी किया गया।

मुंबई लॉन्च इवेंट में एक्टर डॉ. शिवराजकुमार भी पहुंचे थे। फिल्म '45 में अभिनय कर रहे एक्टर डॉ. शिवराजकुमार कहते हैं, 'जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि मुझे इसका हिस्सा बनना ही है। 45 एक ऐसी फिल्म है, जो देश भर के दर्शकों को आपस में जोड़ देगी। यह फिल्म एक अलग छाप दर्शकों पर छोड़ेगी।

फिल्म '45झ् के टीजर लॉन्च इवेंट में निर्देशक अर्जुन जन्या कहते हैं, 'यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, एक सपना है, जो सच हो रहा है। यह फिल्म ऐसी यात्रा है, जो मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बदलाव जैसी है।झ् फिल्म की कहानी की बात की जाए तो जब रहस्यमयी संख्या 45 हीरो की जिंदगी में शामिल होती है, तो कुछ भी पहले जैसा नहीं रहता। इसी विषय के ईद–गिर्द फिल्म की कहानी को कहा जाएगा। एक्टर उपेंद्र भी इस फिल्म में अभिनय कर रहे हैं। वह कहते हैं, 'इस फिल्म में फैंटेसी एक्शन और फीलिंग्स सभी कुछ शामिल है।

रॉबिनहुड की ओटीटी रिलीज हुई तय, 10 मई से जी5 पर स्ट्रीम होगी नितिन–श्रीलीला की फिल्म

रॉबिनहुड एक तेलुगु एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जो 28 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वेंकी कुडुमुला के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नितिन और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्माताओं ने दर्शकों को आकर्षित करने के लिए क्रिकेटर डेविड वार्नर को भी शामिल किया, लेकिन फिल्म को मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली। अब यह फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आने के लिए तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक, रॉबिनहुड 10 मई 2025 से शाम 6 बजे से जी5 पर स्ट्रीम होगी। अगर आपने इसे सिनेमाघरों में नही देखा, तो अब घर बैठे श्रीलीला और नितिन की इस फिल्म को देख सकते हैं। फिल्म राम (नितिन) की कहानी है, जो एक अनाथ है। वह भूख और गरीबी में जी रहे अन्य अनाथों के दुख को देखकर बड़ा होता है। इससे प्रेरित होकर वह एक आधुनिक रॉबिनहुड बन जाता है, जो अमीरों से चोरी कर जरूरतमंदों की मदद करता है। दूसरी ओर, एक खतरनाक अपराधी (देवदत्त नागे) रुद्रकोंडा गांव में उगने वाली खास मारिजुआना के जरिए अपना अवैध कारोबार बढ़ाना चाहता है। इसी बीच, फार्मा कंपनी के मालिक अभिनव वासुदेव (सिज्जू) की बेटी नीरा (श्रीलीला) रुद्रकोंडा पहुंचती है,

फील्डिंग में कटाई नाक, पावरप्ले में गुजरात ने टपका दिए 3 कैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 56वें मुकाबले में आज मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। गुजरात को शुरुआत तो अच्छी मिली, लेकिन वानखेड़े स्टेडियम में जीटी ने फील्डिंग से निराश किया। पावरप्ले समाप्त होने तक मुंबई ने 2 विकेट खोकर 56 रन बनाए। हालांकि, पहले 6 ओवर में गुजरात के फील्डर्स ने 3 कैच टपका दिए।

पहला ओवर

गुजरात की ओर से पहला ओवर मोहम्मद सिराज ने किया। ओवर की दूसरी गेंद पर ही उन्होंने रयान रिकेल्टन का विकेट चटकाया। ऐसे में 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने विल जैक्स आए। जैक्स का खाता तक नहीं खुला था और चौथी गेंद पर उन्होंने शानदार ड्राइव लगाई। गेंद हवा में थी और कवर पर खड़े साई सुदर्शन ने इस आसान से कैच को ड्रॉप कर दिया। सिराज पहले ही ओवर में 2 विकेट चटका सकते थे हालांकि, ऐसा नहीं हो पाया। अब देखना होगा यह कैच कितना भारी पड़ता है।

5वां ओवर

गुजरात टाइटंस की ओर से 5वां ओवर प्रसिद्ध कृष्णा ने किया। ओवर की 5वीं गेंद पर सूर्यकुमार यादव को जीवनदान मिला। इस बार साई किशोर ने मिड विकेट पर उनका कैच ड्रॉप कर दिया। सूर्यकुमार यादव ने गेंद को थोड़ा ऊपर की ओर फ्लिक किया। उन्होंने गेंद को रिवर्स कप करने की कोशिश की। साइडलाइन के पास खड़े आशीष नेहरा निराश नजर आए।

तृषा के जन्मदिन पर फैंस को मिला सरप्राइज

मेगास्टार चिरंजीवी की आगामी फैंटेसी फिल्म विश्वम्भरा इस साल रिलीज होगी। लेकिन रिलीज से पहले आज खास तृषा के 42वें जन्मदिन पर फिल्म निर्माताओं ने फिल्म विश्वम्भरा से उनके किरदार के नाम से पर्दा उठा दिया है, जो अब प्रशंसकों के बीच जमकर वायरल हो रहा है। फिल्म निर्माताओं ने विश्वम्भरा के एक्स हैंडल अकाउंट पर आज तृषा के जन्मदिन पर उनके किरदार के नाम से पर्दा उठा दिया है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म विश्वम्भरा से तृषा का लुक शेयर किया और साथ ही फिल्म में उनके किरदार के नाम से भी पर्दा उठाया। इस तस्वीर में तृषा कॉपर रंग की शाइनिंग साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस साड़ी के साथ उन्होंने लाइट ज्वैलरी पहन रखी है और साथ ही माथे पर काले रंग की बिंदी और बालों को खुला रखा है। उनके चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान बेहद शानदार दिख रही है। विश्वम्भरा के फिल्म निर्माताओं ने आज तृषा के जन्मदिन पर खास एक तस्वीर के साथ विश्वम्भरा फिल्म से उनके किरदार का नाम शेयर किया है।

बारिश में धुला दिल्ली और हैदराबाद का मैच, फंसा प्लेऑफ का पेंच

हैदराबाद,। आईपीएल 2025 के 55वें मैच में आज सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स की टक्कर देखने को मिली लेकिन यह धमाकेदार टक्कर पूरी नहीं हो पाई क्योंकि हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम खेला गया ये मैच भारी बारिश की भेंट चढ़ गया. अंपायर द्वारा काफी इंतजार करने बाद मैच को रद्द कर दिया गया. ये मैच बेनतीजा रहा और दोनों टीमों के 1–1 अंक मिल गया.इस मैच में 1 अंक हासिल करने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का प्लेऑफ का सफर खत्म हो गया है. हैदराबाद की टीम आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2025 के प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है. टीम के 11 मैचों के बाद कुल 7 अंक है जिसमें तीन जीत एक बेनतीजा मैच और 7 हार मौजूद हैं. हैदराबाद इस समय अंक तालिका में 8वें स्थान पर हैं. दिल्ली कैपिटल्स इस मैच को नहीं जीत पाई और उसे 1 अंक मिला. इस एक अंक ने भी दिल्ली कैपिटल्स के लिए रास्ता पेचीदा कर दिया है. दिल्ली के 11 मैचों के बाद 6 जीत और 4 हार व एक बेनतीजा मैच के साथ कुल 13 प्वाइंट्स हैं. अब दिल्ली को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए आने वाले 3 मैचों में से हर हाल में 2 मैच जीतने होंगे. ऐसा करने से टीम के 17 प्वाइंट्स हो जाएंगे और वो प्लेऑफ में पहुंच सकती है. दिल्ली इस समय अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है. इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 133 रन बनाए. टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 36 बॉल में 4 चौकों की मदद से 41 रनों की पारी खेली. आशुतोष शर्मा ने 26 बॉल में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 41 रनों की पारी खेली.

एक नजर

8 मई को होगी कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला उद्योग केंद्र की ओर से आठ मई को जिला स्तरीय निर्यात संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। जानकारी देते हुए केंद्र महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग ने कहा कि कार्यशाला में केंद्र व राज्य सरकार के नीति निर्माताओं व अनुभवी उद्योगपतियों द्वारा स्थानीय उद्यमियों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने की दिशा में मार्गदर्शन दिया जायेगा।

शिक्षकों ने किया ऑनलाइन उपस्थिति आदेश का विरोध

रुद्रप्रयाग। शिक्षकों की मोबाइल पर आनलाइन उपस्थिति के आदेश का उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने विरोध किया है। शिक्षकों ने कहा कि यदि शीघ्र यह आदेश वापस नहीं लिया जाता है, तो उन्हें आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। संघ के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह झिंक्वाण ने निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा को भेजे ज्ञापन में कहा कि प्राथमिक विद्यालय, अध्यापक विहीन विद्यालयों, एकल अध्यापकीय व अधिकतम दो अध्यापकों के भरोसे संचालित हो रहे हैं। प्राथमिक अध्यापक पहले से ही गैर शैक्षणिक कार्यों व तरह तरह के आनलाइन कार्यों को कर रहे हैं। बिना संसाधनों के विभिन्न प्रकार के ऐप व पोर्टल पर आनलाइन सूचनाओं को साइबर कैफे व दुकानों के माध्यम से विद्यालय से अतिरिक्त समय में पूरा करते हैं। विद्यालयों में आफलाइन आनलाइन उपस्थिति पहले से ही भरते आ रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने पूरे सेवाकाल में 30 से 40 वर्षों तक एक पदोन्नति के लिए तरस जाता है। वह अपने वेतन, देयकों और पदोन्नति के लिए संघर्ष करता रहता है। अंत में उसी पद से सेवानिवृत्त हो जाता है। विद्यालयों में अगर शिक्षक अपनी उपस्थिति नहीं दे रहा है, तो विद्यालयों को व्यवस्थित ढंग से कौन संचालित कर रहे हैं। जिला मंत्री दिनेश चंद्र भट्ट ने कहा कि सुदूरवर्ती इलाकों में सुचारू नेटवर्क की समस्या हमेशा बनी रहती है। ऐसे में प्रत्येक शिक्षक की प्रतिदिन आनलाइन चैकिंग की उपस्थिति एक तुगलकी फरमान व गलत नीतियां के चलते शिक्षकों को कक्षा शिक्षण से दूर रखने का एक कुचक्र है। जिला कोषाध्यक्ष रघुबीर सिंह बुटोला ने कहा कि शिक्षकों को प्रतिदिन आनलाइन चैक इन के लिए विद्यालय में समय से उपस्थित होने के बाद कुछ समय के लिए परिसर से इधर–उधर भी जाना पड़ सकता है। ऐसे में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होना तय है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने की देवप्रयाग में मां गंगा की पूजा

नई टिहरी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने मंगलवार को भगवान राम की तपस्थली देवप्रयाग पहुंचकर पत्नी सहित संगम पर मां गंगा की पूजा–अर्चना की। देवप्रयाग संगम पर करीब एक घंटे उन्होंने गंगा के प्रवाह को निहारते हुए उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में आकर उनका मन अत्यन्त प्रसन्न हुआ है। उन्होंने मछलियों को आटा भी खिलाया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान सड़क मार्ग से मंगलवार दोपहर को देवप्रयाग पहुंचे थे। उन्होंने कृषि के लिए जल संरक्षण पर जोर देते कहा कि इससे देश में खुशहाली आएगी। कृषि मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार उत्तराखंड के विकास के लिए हरसम्भव सहयोग कर रही है। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते उन्हें भगवान राम की कलाकृति भेंट की। पंडित राजा थपलियाल ने उनसे यहां पूजा–अर्चना करवाई। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष ममता देवी, विनोद बिष्ट, दीवान कैन्तुरा, सुधीर मिश्रा, शशि ध्यानी, रुकमणि देवी, राहुल कोटियाल, सुचिता असवाल, रेखा भट्ट, शुभा तिवारी, शालिनी ध्यानी, सरिता कर्नाटक, सुरेंद्र पालीवाल, माधव मेवाड़, गुरु आदि मौजूद थे।

सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का होगा सम्मान

नई टिहरी। वर्ष 2025–26 की प्रथम अकादमिक बैठक प्राचार्य हेमलता भट्ट की अध्यक्षता में डायट सभागार में सम्पन्न हुई। इस दौरान इस वर्ष के परिषदीय परीक्षाफल पर चर्चा की गई। प्राचार्य ने बताया कि सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं तथा विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को मई के तृतीय सप्ताह में संस्थान में सम्मानित करने को आमंत्रित किया जाएगा। इस दौरान तत्पश्चात संस्थान की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट वर्ष 2025–26 में प्रस्तावित कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को प्रस्तावित कार्यक्रमों में अध्यापकों को प्रतिभाग करवाने के लिए सूची तैयार करने के लिए कहा गया। जिससे सभी प्रशिक्षण कार्यशालाओं को यथा समय सम्पादित किया जा सके।

लगातार रुक-रुक कर हो रही बारिश, पहाड़ में लौटी ठंड

वन विभाग व जल संस्थान ने ली राहत की सांस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पौड़ी जनपद के पिछले दो तीन-दिनों से रुक-रुक के हो रही बारिश से जहां सरकारी तंत्र को तो लाभ होगा ही साथ ही मई-जून में वन अग्नि सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंतित वन विभाग को इस बार बहुत राहत मिली है। वहीं जल संस्थान के लिए भी लगातार हो रही बारिश किसी सकून से कम नहीं है। क्योंकि पहाड़ों में हो रही लगातार बारिश से उपभोक्ता मोटर आदि का उपयोग नहीं करते है व खेतों और बागवानी में पानी की चराई कर पानी का दुरपयोग नहीं करते है। विगत वर्ष मई-जून में एक भी दिन बारिश नहीं हुई जिस कारण जंगल के जंगल वन अग्नि की भेंट चढ़ गई, पर्यावरण प्रदूषित रहा है और वन सम्पदा को भारी नुकसान हुआ। यहां तक की पहाड़ में भी शुद्ध हवा नसीब नहीं हुई।

वहीं जल संस्थान को भी जलापूर्ति के लिए भारी परेशानी उठानी पड़ी, लेकिन इस बार समय रहते बारिश होने से पशुओं के लिए चरा पत्ती भी उग गई। बागवानी के काश्तकारों के लिए यह बारिश बहुत लाभकारी है। उनके चेहरे खिले है। वहीं प्रातिक स्रोत भी रिचार्ज हो रहे है। इस बारिश से अनेकों लाभ हुए है। बारिश से पहाड़ों में रसीले फल काफल भी खूब पक रहे है। बागवानी के काश्तकार आनंद सिंह नेगी और सुरजीत पटवाल ने बताया कि उनकी सेब की फसल के लिए यह बारिश बहुत लाभकारी साबित होगी। बारिश से फसल के अच्छे होने की उम्मीद है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेंगे पीएम जन औषधि केंद्र

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले का सहकारिता विभाग ग्रामीण स्तर पर सस्ती जैनेरिक दवाएं उपलब्ध कराए जोन को लेकर तेजी से कार्य कर रहा है। विभाग एम पैक्स के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पीएम जन औषधि केंद्र खोल रहा है। जिसको लेकर विभाग को 8 आवेदन मिल चुके हैं। इनमें तीन केंद्रों का संचालन शुरू हो गया है। विभाग केंद्र संचालक को दो लाख का अनुदान भी प्रदान कर रहा है।

जिला सहायक निबंधक सौरभ सिंह ने बताया कि एम पैक्स को बहुउद्देशीय बनाते हुए एफपीओ (कृषक उत्पादक संगठन) बनाए जा रहे हैं। जिले में अभी तक 75 एम पैक्स बन गए हैं। एमपैक्स के तहत पीएम जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। जिले में 8 पीएम जन औषधि केंद्रों के संचालन की अनुमति मिल चुकी है।

इनमें थलीसैंण के कैन्यूर, पौड़ी के ल्वाली, कोटद्वार के सुखरौं व पदमपुर, जयहरीखाल, ध्यड़गांव, बैजरों व सतपुली शामिल हैं। बताया कि कैन्यूर सुखरौं व पदमपुर में पीएम जन औषधि केंद्रों का संचालन शुरु हो गए हैं। उन्होंने बताया कि पीएम जन औषधि केंद्र के संचालक को दो लाख का अनुदान विभाग द्वारा प्रदान किया जा रहा है। जिला सहायक निबंधक सिंह ने बताया कि जिले के समस्त पैक्स कंप्यूराइज्ड हो चुके हैं।

नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नृत्य प्रतिभागियों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से केओडी डांस स्टूडियो की ओर से नगर निगम सभागार में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने सीनियर एवं जूनियर वर्ग में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा दिखाई।

मंगलवार को आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र रावत, राज्य मंत्री उत्तराखंड सरकार राजेंद्र अंथवाल व मंडी समिति अध्यक्ष सुमन कोटनाला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महापौर शैलेंद्र रावत ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए क्षेत्र के प्रतिभावान युवाओं की प्रतिभा को मंच देने पर आयोजकों को बधाई दी। तत्पश्चात सीनियर एवं जूनियर श्रेणी में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता व उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्त किया गया। इस अवसर पर आयोजक विपिन रावत, मनोज गुंसाई, गौरव नेगी, अंकित बिष्ट, राखी रावत और गौरव जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कोटद्वार के नगर निगम सभागार में नृत्य प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्त करते हुए मुख्य अतिथि।

महिलाओं ने एलयूसीसी के विरोध में किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मंगलवार को द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-परेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) पीड़ित महिलाओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने डूबी रकम वापस दिलाने और सोसाइटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि एलयूसीसी षि मंत्रालय भारत सरकार में पंजीत थी, जो वर्तमान में सहकारिता मंत्रालय के अधीन है। सोसाइटी की ओर से तीन राज्यों में बैंकिंग कार्य किया जा रहा था।

सोसाइटी में उत्तराखंड के लाखों लोगों ने एलयूसीसी की योजनाओं में लगभग 500 करोड़ का निवेश किया था। वर्ष 2018 में सोसाइटी ने कुछ सुविधा केंद्रों में एटीएम की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई, लेकिन सोसाइटी अचानक लोगों के करोड़ो रूपए लेकर भाग गई। प्रदर्शन करने वालों में शोभा देवी, रेखा देवी, अंजू डबराल, तृप्ति नेगी, ज्योति नेगी, कल्पना देवी, रोशनी, रजनी देवी, दीपाली पटवाल, पुष्पा रावत आदि शामिल रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया ऑनलाइन हाजिरी का विरोध

जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा के निदेशक को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्राथमिक शिक्षक संघ ने ऑनलाइन हाजिरी का विरोध करते हुए प्राथमिक शिक्षा में ऑन लाइन कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन मुहैया करवाए जाने की मांग की है। संघ ने जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा के निदेशक को ज्ञापन भेजकर जल्द समस्याओं के निराकरण की मांग की। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक आवश्यक संसाधन मुहैया नहीं करवाए जाते है तब तक वीएसके पोर्टल पर जारी आनलाईन शिक्षकों की हाजिरी का विरोध जारी रहेगा। कहा कि इस व्यवस्था में लोकेशन ट्रेस होने से शिक्षक की निजता व गोपनीयता प्रभावित होगी और यह भारतीय संविधान द्वारा हर नागरिक को दिए गए मौलिक अधिकार का पूर्ण उल्लघंन है। साथ ही इस व्यवस्था से शिक्षकों के साथ साईबर ठगी व जान माल जैसी समस्याए भविष्य में उत्पन्न हो सकती हैं।

मंगलवार को प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने प्रारंभिक शिक्षा के निदेशक को ज्ञापन भेजकर कहा कि विभाग ने शिक्षकों को अपनी हाजिरी वीएसके पर अपने मोबाइल फोन से लोकेशन सहित भेजे जाने का फरमान जारी किया गया है। साथ ही विभाग द्वारा बिना सोचे समझे एक आनलाइन हाजिरी सेल्फ चेक इन के नाम से नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश जारी किए गए हैं, जबकि पूर्व से ही स्कूलों द्वारा आनलाइन हाजिरी भेजी जा रही थी। कहा कि इस नए आदेश से जिले के सभी शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। कहा कि जिले के अधिकांश प्राथमिक विद्यालय दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों में हैं। दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी की भारी समस्या बनी रहती है। दुर्गम क्षेत्रों में अधिकांश विद्यालयों में एकल शिक्षकीय व्यवस्था पर संचालित हो रहे है।

चारधाम यात्रा के दौरान होमगार्ड जवानों की रहेगी अहम भूमिका : जोशी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : होमगार्ड के जिला कमांडेंट निर्मल जोशी ने होमगार्डस सैनिक सम्मेलन में जवानों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान होमगार्ड जवानों की यातायात व्यवस्था को दुरस्त करने व आपदा के दौरान राहत बचाव में अहम भूमिका होती है। कहा कि यात्रा ड्यूटी के दौरान लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने लगातार अनुशासनहीनता बरतने वाले जवानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

मंगलवार को जिला पंचायत के पुराने सभागार में होमगार्डस सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान सम्मेलन में प्लाटून सार्जन्ट व प्लाटून कमांडर को हर दिन दो ड्यूटी प्वाइंट का निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने चारधाम यात्रा में ड्यूटी के दौरान लापरवाही नही बरतने के निर्देश दिए। कहा कि निरीक्षण के दौरान लापरवाही मिलने पर संबंधित जवान के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि यात्रा के दौरान यात्रियों से अच्छा व्यवहार किया जाए, जिससे विभिन्न प्रदेशों से आने वाले यात्रियों के बीच होमगार्ड की अच्छी पहचान जाए। सम्मेलन के दौरान उन्होंने जवानों की समस्याएं भी सुनी। इस मौके पर जिला कमांडेट कार्यालय के इंस्टपेक्टर विनोद सिंह, संगीता मातौर, धर्म सिंह, मातबर सिंह, सुदर्शन, अजीत, नरेश आदि शामिल थे।

स्कूलों में बच्चों को पाठ्यचर्या में श्रीमद् भगवत गीता का अध्ययन कराएं : धामी

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के लिए अगले 10 सालों के स्पष्ट प्लान पर किया जाए

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्कूलों में बच्चों को पाठ्यचर्या में श्रीमद् भगवत गीता का अध्ययन भी कराया जाए। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का अगले 10 सालों के स्पष्ट प्लान पर कार्य किया जाए। शिक्षा विभाग द्वारा दिसम्बर 2026 तक शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों का रजतोत्सव कैलेंडर बनाया जाए। बरसात शुरू होने से पहले राज्य के सभी स्कूलों का निरीक्षण किया जाए और स्कूल के रास्तों और पुलों की स्थिति के साथ ही अन्य मूलभूत सुविधाओं को भी देखा जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि कलस्टर विद्यालयों में आवासीय हॉस्टल की सुविधा के लिए अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिस का अध्ययन कर प्रस्ताव बनाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों को आवासीय हॉस्टल में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। पहले चरण में प्रत्येक जनपद में एक-एक आवासीय हॉस्टल बनाया जाए। 559 कलस्टर विद्यालयों के 15 किमी. के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की परिवहन व्यवस्था के लिए जल्द प्रस्ताव बनाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि हर साल बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें समय पर मिले। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में ट्रांसफर की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता रहे, इसके लिए सभी पहलुओं का गहनता से अध्ययन कर प्रस्ताव बनाया जाए। जनपद, मण्डल और राज्य स्तरीय कैडर में सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाए। स्कूलों में एनसीसी और एन.एस.एस को बढ़ावा दिया जाए, जिन स्कूलों में अभी इनकी सुविधा नहीं हैं, चरणबद्ध तरीके से स्कूलों का चयन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए राज्य के औद्योगिक प्रतिष्ठानों से सी.एस.आर फण्ड के तहत सहयोग के लिए अनुरोध भी किया जाए। बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव शिक्षा रविनाथ रमन, अपर सचिव श्रीमती रंजना, महानिदेशक माध्यमिक शिक्षा सुश्री झरना कमठान, अपर सचिव बेसिक शिक्षा एम.एम. सेमवाल, माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती, बेसिक शिक्षा निदेशक अजय नौडियाल अरौर शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शादी वाले घर से लाखों के जेवर और नकदी ले उड़े चोर

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में शादी समारोह में व्यस्त एक परिवार के घर को चोरों ने निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना उस समय हुई जब परिवार की बेटी की शादी के कार्यक्रम में सभी सदस्य शामिल थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ग्राम सराय निवासी अकरम पुत्र अशरफ ने कोतवाली में शिकायत देकर बताया कि 4 मई को उसकी बहन की शादी थी। सराय के आशियाना होटल किया शादी का आयोजन किया गया था।

परिवार के सभी सदस्य शादी में व्यस्त थे। शाम को विदाई के बाद जब वे घर लौटे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर पहुंचने पर देखा तो अलमारी का लॉकर टूटा पड़ा था और उसमें रखे कीमती जेवरात व नकदी चोरी हो चुकी थी।

बेसहारा बच्चों की पहचान करें : डीएम

डीएम ने ली जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जिला कार्यालय सभागार में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक ली। जिलाधिकारी ने वात्सल्य योजना के तहत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अफसरें को बाल अधिकारों की सुरक्षा, पुनर्वास और समुचित विकास के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि कठिन परिस्थितियों में फंसे बच्चों के पुनर्वास हेतु विशेष कार्य योजना बनाएं और बाल संरक्षण आधारित जीआईएस मैपिंग कराने के साथ शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए बेसहारा बच्चों की पहचान करें बैठक में जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिये कि कोई भी बच्चा शैक्षणिक, सामाजिक या मानसिक रूप से उपेक्षित न रहे। साथ ही उन्होंने बेसहारा, बाल श्रमिक व सड़क पर जीवन यापन करने वाले बच्चों की पहचान करने के लिए सर्वे करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने किशोर न्याय प्रणाली, केस आधारित हस्तक्षेप व पुनर्वास योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी। बताया कि बाल संरक्षण से जुड़े प्रकरणों की समयबद्ध समीक्षा की जा रही है और सभी हितधारकों के साथ समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पारूल गोयल, मुख्य शिक्षाधिकारी नागेंद्र बर्तवाल, अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, प्राचार्य डायट स्वराज सिंह तोमर आदि शामिल रहे।

योग चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नौड़ी द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुल्यारी में योग चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चिकित्साधिकारी डा. अरविंद रावत ने बताया कि प्रतियोगिता में सात्विक ने पहला, सौरभ टम्टा ने दूसरा व सोनाक्षी ने तीसरा स्थान हासिल किया। पवन, सोनाली, प्रीति को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य धीरेंद्र लिंगवाल, शिक्षक सतेंद्र सिंह, योग अनुदेशक विजय रतूड़ी ने अव्वल छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/IV द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बंद होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	20-DRM-MB-25-26 Dt. 09.04.2025	21-DRM-MB-25-26 Dt. 09.04.2025
कार्य का नाम	Provision of Rubberised Level Crossing surfacing on LC Nos 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 62, 77, 78, 79, 82, 83, 88, 89, 90, 91, 94, 96 and 97 on MB-GZB section under ADEN/HPU.	Provision of Rubberised Level Crossing surfacing on LC Nos 02, 07, 16, 21, 25, 27, 30, 38, 44, 50 and 51 on MB-GZB section and 1B & 78 on GJL-MZM section under ADEN/GJL.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	03.06.2025	03.06.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	4,95,56,417.58	4,52,21,552.65
धरोहर राशि	3,97,800.00	3,76,100.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	20.05.2025	20.05.2025

टेन्डर नं. Sr.DEN-IV/Publication/24-25 दिनांक : 06.05.2025 1339/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	31-DRM-MB-25-26 Date 05.05.2025
कार्य का नाम	Supplying and spreading 10000 cum of 65 mm gauge machine crushed stone ballast on cess in ON-BLM and BLM-SPC section under Sr.DEN-II/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	30.05.2025 16:00
अनुमानित लागत	1,96,62,700.00
धरोहर राशि	2,48,300.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	16.05.2025
आफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह

न.74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 05.05.2025 1335/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 05.05.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/सी मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	32-DRM-MB-25-26 Date 05.05.2025
कार्य का नाम	Loading, leading, unloading and stacking of P.way materials PSC line sleeper, T/Out sleepers, TWS, CMS, SEJ, Glued joints OR switch, rails etc from different track depots/plants of Northern and other Railways to track depot CBJ and various site of work over MB division in the section of SSE/TD/CBJ under DEN/Track/MB. Estimate No. (268/2023 RRSK, 238/2024 RRSK & 220/2024 RRSK)
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	30.05.2025/ 16:00
अनुमानित लागत	3,43,59,552.70
धरोहर राशि	3,21,800.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	16.05.2025
आफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1334/25

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में भूलवश मेरे पुत्र का नाम अमन मंसूरी (AMAN MANSOORI) जन्मतिथि 10.03.2019 अंकित है तथा मेरा नाम शरीफ अहमद (SHARIF AEHMAD) तथा मेरी पत्नी का नाम RUKHSHANA PARVEEN अंकित है। जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम मौहम्मद अमन तथा मेरा नाम शरीफ अहमद (SHARIF AHMAD) तथा मेरी पत्नी का नाम RUKSANA है। जो कि हमारे समस्त दस्तावेजों में अंकित है।

अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का वास्तविक नाम मौहम्मद अमन, जन्म तिथि 10.03.2019 तथा मेरा नाम शरीफ अहमद (SHARIF AHMAD) तथा मेरी पत्नी का नाम RUKSANA अंकित कर जन्म प्रमाण की द्वितीय प्रति जारी की जाय।

शरीफ अहमद पुत्र अब्दुल रसीद निवासी भवन सर्वे नं0 199/79 सदर बाजार लैन्सडाउन, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0963/21)

पदाधिकारियों ने ली शपथ

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के जशोधरपुर स्थित महादेव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में कन्या भारती का गठन किया गया। इस मौके पर चुने हुए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कन्या भारती का गठन करते हुए प्रिया को अध्यक्ष, अनामिका को सेनापति व तनिष्का को मंत्री चुना गया। इस दौरान चुने हुए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। प्रधानाचार्य निर्मल केमनी ने कहा कि बालिकाओं के समग्र विकास के लिए कन्या भारती संगठन का गठन किया जाता है, जिसमें बालिकाएं अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन करती हैं। इससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

छावनी परिषद्, लैन्सडौन (पौड़ी गढ़वाल)

कोटेशन नोटिस

छावनी परिषद् चिकित्सालय लैन्सडौन हेतु दवाइयों, शल्य सामग्री, एक्स-रे फिल्म, लैब सामग्री, ड्रेसिंग, फिजियोथेरपी सामग्री इत्यादि हेतु इच्छुक सप्लायरों/वितरकों/उत्पादकों से ऑनलाईन कोटेशन www.defproc.gov.in वेबसाईट पर आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्न है :-

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की तारीख 28 मई 2025 समय 1100 बजे तक

कोटेशन खोलने की तारीख 29 मई 2025 समय 1130 बजे

कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाईट पर ऑनलाईन भरे जाएंगे व कोटेशन से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें भी इसी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

पत्रांक सं0 1110/ दवाईयॉ/25-26/छा0प0 **मुख्य अधिशासी अधिकारी**

दिनॉक:.....मई 2025 **छावनी परिषद् लैन्सडौन।**

(0964/57)

संक्षिप्त समाचार

सेलाकुई में जूता कंपनी के गोदाम में लगी आग

विकासनगर। सिडकुल स्थित पुरानी पुलिस चौकी के सामने जूता बनाने वाली बालाजी लेदर इंडस्ट्री के गोदाम में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। आग से गोदाम में रखा का सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड के वाहनों और आसपास के कंपनी के कर्मचारियों ने बामुश्किल आग पर काबू पाया। समय पर अगर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आसपास के कंपनियों में भी आग फैल सकती थी। जानकारी के मुताबिक शाम को करीब चार बजे इंडस्ट्री के गोदाम से धुआं उठने लगा। कुछ देर में ही गोदाम से आग की लपटें उठने लगी। कुछ ही क्षण में आग ने भयंकर रूप ले लिया। जिससे वहां अफरा–तफरी का माहौल पैदा हो गया। गोदाम के आसपास कई कंपनियां हैं। आग की लपटें देख वहां के कर्मचारी अपने फायर उपकरण लेकर आग बुझाने पहुंच गए। सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई। इसके बाद मौके पर आग बुझाने के लिए दो वाहन पहुंच गए। इसके बाद कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। कंपनी स्वामी सौरभ ने बताया कि आग लगने से गोदाम रखा लाखों का सामान राख हो गया। फायर ब्रिगेड के प्रभारी इसम सिंह ने बताया कि आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

युवाओं ने अपने विचारों से नेतृत्व की क्षमता दिखाई

ऋषिकेश। डीएसबी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल गुमनीवाला में मंगलवार को आयोजित यूथ कॉन्फ्रेंस में युवाओं ने अपने विचारों से नेतृत्व का प्रदर्शन किया। कांफ्रेंस में कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों ने शिरकत की। छात्रों ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा और प्रस्तुतियों में भाग लिया। जिसमें उनकी समर्पित तैयारी, आत्मविश्वास और टीमवर्क की झलक स्पष्ट रूप से दिखी। प्रधानाचार्य शिव सहगल ने कहा कि यह सम्मेलन छात्रों के भीतर छिपी नेतृत्व क्षमता और सोचने–समझने की शक्ति को उजागर करने का एक सशक्त माध्यम बना है। कॉन्फ्रेंस हमारे छात्रों में एक नई ऊर्जा और जागरूकता लेकर आई है। इन नन्हें विचारकों को इतने गंभीर विषयों पर सोचते और बोलते देखना गर्व की बात है।कहा कि यह आयोजन विद्यालय की समग्र और अनुभव आधारित शिक्षा प्रणाली को और सशक्त बनाता है तथा भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। मौके पर सागर, आशीष, रूपा, वैष्णवी, सक्षम, अर्थव, सार्थक, समीर आदि उपस्थित रहे।

सकनी गांव से मूल मंदिर को रवाना हुई देव डोलियां

विकासनगर। महासू देवता मंदिर पंचरा (भंजरा) से रात्रि प्रवास पर सकनी पहुंची देव डोलियों ने मंगलवार को मूल मंदिर के लिए प्रस्थान किया। सोमवार रात को सकनी गांव में जागड़ा मनाया गया, जिसमें देव पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने देव हारुल, तांदी गीतों पर नृत्य किया। मंगलवार सुबह विधिविधान से पूजा अर्चना की गई। शुभ लग्न पर देव डोलियों और देव चिन्हों को घर से बाहर निकाला गया। जिसके बाद आस पास के गांवों से आए लोगों ने देव दर्शन कर पुण्य कमाया। दोपहर बाद देव पालकी और देव चिन्हों ने मूल मंदिर के लिए प्रस्थान किया। देव डोलियों के प्रस्थान करते हुए श्रद्धालुओं ने महासू महाराज के जयकारे लगाए।प्रस्थान के दौरान सकनी गांव में पांडव नृत्य किया गया। देव डोलियों के प्रस्थान के दौरान सकनी गांव में आध्यात्म और संस्कृति का समागम देखने को मिला। देव डोलियों के गांव की सीमा से बाहर जाते ही महिलाओं की आंखें नम हो गईं। इस दौरान देवता के बजीर दिगंबर सिंह राणा, बारू सिंह, भंडारी रमेश चौहान,कुलदीप शर्मा, कल सिंह आदि मौजूद रहे।

फिल्म फूले को उत्तराखंड में टैक्स फ्री किया जाए

ऋषिकेश। अखिल भारतीय डॉ. भीमराव आंबेडकर महासंघ ने मंगलवार को सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने भारत की प्रथम अध्यापिका सावित्रीबाई फुले तथा ज्योतिबा फुले के जीवन पर आधारित फिल्म फूले को टैक्स फ्री करने की मांग की। महासंघ अध्यक्ष पंकज जाटव ने कहा कि भारत की प्रथम अध्यापिका सावित्रीबाई फुले तथा ज्योतिबा फुले के जीवन पर आधारित एक महत्वपूर्ण फिल्म अभी हाल ही में प्रदर्शित हुई है, जो भारत के महान समाज सुधारकों महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष एवं समाज सेवा पर आधारित है। इस फिल्म में दर्शाया गया है कि किस प्रकार इन महान विभूतियों ने जातिवाद लिंग भेद और शिक्षा जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध ऐतिहासिक आंदोलन चलाया।

मुख्यमंत्री ने 139 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

उच्च शिक्षा विभाग में 52 पदों पर, चिकित्सा शिक्षा विभाग में 87 पदों पर दी गई नियुक्ति

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उच्च शिक्षा एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न पदों पर नियुक्त 139 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के राज्य सरकार के विकल्प रहित संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता एवं ईमानदारी से जुटने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में अब नौकरियां सिर्फ और सिर्फ योग्यता, प्रतिभा व क्षमता के आधार पर मिल रही है। प्रतियोगिता परीक्षाओं को निष्पक्षता व ईमानदारी से संपन्न कराया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि साढ़े तीन वर्षों के दौरान राज्य में विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अब तेईस हजार के आंकड़े को पार करने वाली है।मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत असिस्टेंट प्रोफेसर के 52 पदों पर लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के साथ ही चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत मेडिकल कॉलेजों के 18 प्रोफेसर्स व 36 एसोसिएट प्रोफेसर और नर्सिंग कॉलेजों में ट्यूटर व मेडिकल सोशल वर्कर के 33 पदों पर चिकित्सा सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं को निष्पक्षता व ईमानदारी के साथ संपन्न कराने के लिए कड़े प्राविधान किए हैं। पेपर लीक की समस्या को जड़ से समाप्त करने का काम किया गया है। जिसके चलते युवाओं को उनकी योग्यता व प्रतिभा का पूरा सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों की प्रतिभा व परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस सफलता में उनके अभिभावकों व गुरुजनों के योगदान व मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि अध्यापन अधिक जिम्मेदारी का कार्य है, जिसके माध्यम से हम युवाओं का मार्गदर्शन कर उनका भविष्य ही नहीं गढ़ते हैं बल्कि समाज के निर्माण में भी योगदान करते हैं। नवनियुक्त अभ्यर्थियों को इस चुनौतीपूर्ण दायित्व को पूरी ईमानदारी व समर्पण से निभाने के लिए प्रतिबद्धता से जुटना होगा। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी नौकरी ही नहीं बल्कि मानवता की सेवा करने का महान अवसर है। लिहाजा आपके कार्य व्यवहार में हमेशा सेवा की भावना परिलक्षित हो। इस अवसर पर उच्च शिक्षा एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड में उच्च शिक्षा विभाग में फैकल्टी के सभी पदों को भर लिया गया है। ऐसा करने वाला उत्तराखंड देश का अग्रणी राज्य हो गया है। इसी तरह मेडिकल कॉलेजों में नियमित फैकल्टी भरने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेडिकल कॉलेजों में 70 प्रतिशत पद भरे जा चुके हैं और आगामी तीन माह में फैकल्टी के 85 प्रतिशत से अधिक पद भरे जाएंगे। शीघ्र ही मेडिकल कॉलेजों के लिए 400 एसोसिएट प्रोफेसर्स की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी। कार्यक्रम में कृषि मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास एवं श्रीमती सविता कपूर, उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र भसीन एवं डॉ. जयपाल सिंह, सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत सिन्हा, सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ. आर. राजेश कुमार भी उपस्थित रहे।

तुंगनाथ में बिजली और पर्यावरण मित्रों की संख्या बढ़ाएं

रुद्रप्रयाग। पंचकेदारों में तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ धाम में विद्युतीकरण एवं पर्यावरण मित्रों की संख्या बढ़ाने सहित मूलभूत सुविधाएं जुटाने को लेकर ग्राम पंचायत मक्कू के प्रशासक ने सीएम से जरूरी कार्यवाही करने की मांग की है। निवर्तमान प्रधान/ प्रशासक मक्कू विजयपाल सिंह नेगी ने सीएम पुष्कर धामी को भेजे ज्ञापन में कहा कि तृतीय केदार तुंगनाथ धाम के कपाट भी बीते 2 मई भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए गए है। प्रतिवर्ष संचालित होने वाली चारधामों के अन्य धामों में श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होता आ रहा है, किंतु तुंगनाथ धाम की यात्रा में यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं हल न होने से दो चार होना पड़ रहा है। क्षेत्र में शौचालय व पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का टोटा बना हुआ है। जिसके चलते श्रद्धालु खुले में शौच करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा हैं। मक्कू बैण्ड के ऊपर सम्पूर्ण क्षेत्र में एक भी शौचालय वर्तमान में निर्मित नहीं है। उक्त क्षेत्र में सड़क मार्ग व पैदल मार्ग पर सुलभ के माध्यम से शौचालय निर्मित होने चाहिए। यात्रा पड़ावों पर स्वच्छक कर्मियों की संख्या को बढ़ाया जाना अति आवश्यक है। ताकि सम्पूर्ण क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे। तुंगनाथ धाम वर्तमान में विद्युतविहीन हैं। क्षेत्र अभी तक विद्युतीकरण से आच्छादित नहीं हो पाया है। चोपता से तुंगनाथ धाम तक का पैदल सफर साढ़े तीन किमी पैदल मार्ग पर जगह–जगह सोलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जानी आवश्यक हैं। केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग गोपेश्वर की ओर से कपाट बंद होने के बाद चोपता में प्रति पर्यटक शुल्क वसूली कर पर्यटकों को तुंगनाथ धाम व चंद्रशिला भेजा जाता है। जो कि निंदनीय है। पूर्व यात्रा सीजन की भांति चोपता से तुंगनाथ के मध्य इस वर्ष भी स्थानीय हक हकूकधारी बेरोजगारों को अस्थाई रूप से छः माह के लिए यात्रियों की सुविधा के लिए नींबू पानी बेचने की अनुमति प्रदान की जानी आवश्यक है।

अभिनव हेड बॉय और अदिति हेड गर्ल निर्वाचित

ऋषिकेश। रेड फोर्ट इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में मंगलवार को हुए छात्र परिषद के चुनाव में हेड ब्वॉय सहित चार पदों के लिए 374 छात्र छात्राओं ने मतदान किया। हेड ब्वॉय में अभिनव ने 46 मत और हेड गर्ल में अदिति ने 122 मत के अंतर से जीत दर्ज की। चुनाव में कक्षा 6 से 12 तक के 374 छात्र–छात्राओं ने हेड ब्वॉय, हेड गर्ल, वाइस हेड ब्वॉय तथा वाइस हेड गर्ल के लिए मतदान किया। हेड ब्वॉय के पद पर कक्षा 12 के अभिनव गिरी ने 220 मत प्राप्त कर विजय हासिल की, जबकि उनके प्रतिद्वंदी सूरज पंवार को 154 मत मिले। हेड गर्ल के पद पर कक्षा 12 की अदिति नेगी ने 248 मत प्राप्त कर यह पद जीता, वहीं उनकी प्रतिद्वंदी को मात्र 126 मत प्राप्त हुए। वाइस हेड ब्वॉय के लिए प्रतिस्पर्धा और अधिक रोचक रही। जहां कक्षा 11 के विजेंद्र सिंह बिष्ट ने 206 मतों के साथ जीत हासिल की। उनके सामने तीन अन्य उम्मीदवार थे, जिसमें कनिष्क को 117 मत, आयुष जुयाल को 37 मत तथा अंशक चमोली को 14 मत मिले। वाइस हेड गर्ल के पद पर कक्षा 11 की सोनम पंवार 247 मत पाकर विजयी रहीं, जबकि उनकी प्रतिद्वंदी अवनी बड़थ्वाल को केवल 127 मत मिले। मुख्य निर्वाचन आयुक्त प्राचार्या तरंग बेली ने सभी विजयी छात्रों को बधाई दी। मौके पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. शूरवीर सिंह बिष्ट, मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित गांधी, देवेंद्र बिष्ट, यशवंत सिंह चौहान, जिन कुमार, भानु प्रताप सिंह, दीपमाला, मनोज रावत, मनोज बिष्ट, विनोद बिष्ट, सूरज, नीरज, पीयूष आदि रहे।

चित्रकला शिविर में 40 छात्रों ने किया प्रतिभाग

नई टिहरी। प्रवासी उत्तराखंडी संस्था एसएलआरई ने भिलंगना ब्लॉक के मुयालगांव में चित्रकला शिविर का शुभारंभ किया, जिसमें छात्र–छात्राओं ने शानदार कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की कला चेतना के विकास में मदद करना है।

दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ एसएसआरई फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी विकल कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ चित्रकार त्रिभुवन देव, सुमन कुमार सिंह, जय त्रिपाठी, विपिन कुमार, दिलीप शर्मा, बीडीओ भिलंगना विपिन सिंह, बद्री प्रसाद अंथवाल और एसके अंथवाल ने किया। प्रतियोगिता में ब्लॉक के 10 विद्यालयों के 40 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मौके पर एचएम भट्ट, तरुणा नौटियाल, उमावत नौटियाल, सुषमा भास्कर, कविता अंथवाल, रमेश भंडारी मौजूद रहे।

मंत्री गणेश जोशी ने उपनलकर्मी धनवीर सिंह नेगी के परिजनों को 1.50 लाख की सहायता राशि का चैक सौंपा

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को अपने कैंप कार्यालय में उत्तरकाशी जनपद के पुरोला ब्लॉक के ग्राम हुडोली निवासी धनवीर सिंह नेगी के परिजनों को 1.50 लाख की सहायता राशि का चेक सौंपा। विदित हो कि धनवीर सिंह नेगी यूपीसीएल में उपनल के माध्यम से कार्यरत थे और अप्रैल माह में ड्यूटी के दौरान करंट लगने से उनका दुखद निधन हो गया था। मंत्री जोशी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके पिता बलबीर सिंह नेगी को चेक प्रदान किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपनल के माध्यम से शीघ्र ही दुर्घटना बीमा के अंतर्गत 50 लाख रुपये की एकमुश्त राशि भी परिजनों को दी जाएगी। इस दौरान मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उपनल एमडी बिग्रेडियर (सेनि) जेएनएस बिष्ट, पिता बलबीर सिंह नेगी, प्रकाश रावत, हेमराज रावत आदि उपस्थित रहे।

यमुनोत्री रोपवे का काम रुकवाकर पेड पार्किंग के लिए दिया निर्माण स्थल

उत्तरकाशी। यात्रा व्यवस्था के नाम पर यमुनोत्री रोपवे का काम थम गया है। इतना ही नहीं कार्यदायी संस्था ने रोपवे स्थल को कुछ माह के लिए पेड पार्किंग और अस्थायी दुकानों के लिए सौंप दिया है, जिससे ग्रामीणों और तीर्थपुरोहितों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण रोपवे के निर्माण कार्यों में तेजी लाने की मांग कर रहे हैं।

मालूम हो कि यमुनोत्री धाम के लिए रोपवे 2006 से प्रस्तावित है। तब से ग्रामीण इस इंतजार में है कि जल्द रोपवे बनकर तैयार हो जाए, लेकिन कार्यदायी संस्था निर्माण कार्यों में लेटलतीफी करने में लगी है। अप्रैल से जून तक तेज गति से निर्माण कार्य होना था, लेकिन काम रोककर कार्यदायी संस्था ने निर्माण स्थल को किराये पर पेड पार्किंग और अस्थायी दुकानों के लिए दे दिया है। जिससे ग्रामीण और तीर्थ पुरोहितों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि आजकल निर्माण कार्यों के लिए बेहतर समय है। ऐसे में कार्यदायी संस्था को युद्धस्तर पर कार्य करना चाहिए था। परंतु चन्द लोगों की शह पर रोपवे ठेकेदार ने यात्रा व्यवस्था के नाम पर पेड पार्किंग और दुकानों के संचालन के लिए निर्माण स्थल को दिया है। जबकि, यात्रा हर साल चलनी है।

ऐसे में रोपवे का काम रोकना ठीक नहीं है। अगर पार्किंग की जरूरत थी तो निशुल्क जगह दे देनी चाहिए थी। तीर्थ पुरोहित पवन उनियाल, रणवीर सिंह और बागेश्वर उनियाल का कहना है कि ग्रामीण पेड पार्किंग के संचालन से नाराज हैं। इस बार गांव के लिए बनी रोड से पार्किंग की व्यवस्था अत्यधिक हो गई है। लोगों ने निजी खेतों में हजार वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था बना ली है। इसमें सरकार व जिला प्रशासन को हस्तक्षेप करते हुए पार्किंग का संचालन बन्द करवाकर रोपवे का निर्माण शुरू करवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर इसमें कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को बाध्य होना होगा। .... कार्यदायी संस्था के मुखिया को नहीं पता रोपवे निर्माण में जुटी कार्यदायी संस्था के मुखिया अविरल जैन का कहना है कि अभी देश से बाहर हूं, मेरे संज्ञान में मामला नहीं है। अगर ऐसा हुआ तो कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने कार्रवाई की कही बात उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी का कहना है कि रोपवे का काम क्यों रुका है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। साथ ही रोपवे ने पेड पार्किंग को दी है, उसकी जानकारी जुटाई जाएगी। अगर सही पाया गया तो कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दीपा और पवन को मिली साईकिल

ऋषिकेश। लायन्स क्लब ऋषिकेश डिवाइन की ओर से मंगलवार को जूनियर हाईस्कूल मनीराम रोड के दो मेधावियों दीपा औरपवन को साइकिल भेंट की गई।

क्लब संस्थापक ललित मोहन मिश्र ने कहा कि सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे आम तौर पर निम्न मध्यम वर्ग के होते हैं। जिनपर संसाधनों की कमी रहती है, क्लब ऐसे छात्रों को प्रोत्साहित करता है, जिनमे शिक्षा के प्रति लगन और ललक होती है। क्लब अध्यक्ष विनोद बिष्ट ने कहा कि होनहार छात्रों को मिले पुरस्कार से अन्य छात्रों में भी अध्यन को लेकर जागरूकता बढ़ती है। इसलिए क्लब द्वारा सवीच्च अंक पाए गए छात्रों को यह साइकिल प्रदान की गई। मौके पर सचिव विनीत चावला, घनश्याम डंग, दिनेश अरोड़ा, विकास ग्रोवर, शिवम अग्रवाल, विशाल संगर आदि उपस्थित रहे ।

अस्पताल की रीढ़ होती है नर्स: प्रो मीनू सिंह

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सप्ताह के शुभारंभ पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि नर्सें अस्पताल की रीढ़ हैं और स्वास्थ्य क्षेत्र में उनकी भूमिका बुनियादी देखभाल से कहीं ज्यादा होती है। मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में नर्सिंग सप्ताह का शुभारंभ संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की सेवा, उचित और पर्याप्त देखभाल सहित इलाज की क्वालिटी को बनाए रखने की जिम्मेदारी नर्सों पर ही निर्भर होती है। उन्होंने एम्स की हेली एम्बुलेंस मेडिकल सेवा में नर्सिंग स्टाफ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

नर्सिंग सेवा के बारे में उन्होंने कहा कि लंबे समय तक कार्य करने के कारण नर्सों को अपने मानसिक स्वास्थ्य को भी स्वस्थ बनाए रखने की जरूरत है। डीन एकेडेमिक प्रो. जया चतुर्वेदी ने नर्सों को रोगी और डॉक्टरों के मध्य एक समन्वयक का प्रति रूप बताया। कहा कि रोगियों की सेवा में नर्सों की कौशलता, भावनात्मक मदद और अथक देखभाल उन्हें अन्य हेल्थ केयर वर्करों से अलग पहचान दिलाती है। कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिन्सिपल प्रो. स्मृति अरोड़ा ने नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाईटिंगेल की सेवाओं को याद कर उनका अनुसरण करने की बात कही। मुख्य नर्सिंग अधिकारी रीटा शर्मा ने बताया कि सप्ताह व्यापी कार्यक्रम के तहत इस वर्ष अवर नर्सेज, अवर फ्यूचरः केरिंग फॉर नर्सेज स्ट्रेंग्थन इकोनॉमीज थीम पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नर्सों को अस्पताल की रीढ़ बताते हुए नर्सिंग सप्ताह के आयोजन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि नर्सिंग सेवा में मुस्कराहट के साथ हमेशा सकारात्मक सोच रखने से रोगी पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है और वह स्वयं को स्वस्थ महसूस करता है। मौके पर मनोचिकित्सा विभाग के प्रो. रवि गुप्ता, पल्मोनरी विभाग के डॉ. लोकेश कुमार सैनी, डीएमएस डा. भारत भूषण, डा. रवि कुमार, डिप्टी नर्सिंग सुपरिन्टेन्डेन्ट जीनू जैकब, पुष्पा रानी, जितेन्द वर्मा, वन्दना, निखिल बी, एसएनओ बिन्दुजा बोस, एएनएस अनुग्रह, आशुतोष, मुकेश कुमार सैनी आदि उपस्थित रहे। फोटो कैप्शन 07आरएसके 38 मंगलवार को एम्स में अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग सप्ताह का शुभारंभ करती कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह।

प्रतिदिन स्वयं के लिए समय निकालें महिलाएं

ऋषिकेश। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने कहा कि सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही हैं, जिनका फायदा प्रत्येक महिला का उठाना चाहिए। मंगलवार को उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी विकासखंड यमकेश्वर के कुनाऊं गांव पहुंचीं।

विद्या मंदिर के 57 छात्र बने सांसद

ऋषिकेश। पुष्प बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सत्र 2025–26 के लिए छात्र संसद का गठन किया गया। जिसमें 57 सांसद का चयन हुआ। बुधवार को प्रधानमंत्री और मंत्री बनाए जाएंगे। मंगलवार को ढालवाला स्थित पुष्प बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में छात्र संसद का गठन लोकतांत्रिक पद्धति से किया गया। विभिन्न कक्षाओं में छात्रों का चयन हुआ है, जिनमें प्रधान मंत्री पद के लिए चुनाव प्रक्रिया कल दिनांक बुधवार को होगी। इस दौरान कक्षा छह से अनुराग केशव भट्ट, यश, अंगद, हितेश चंद्र, गणेश, कक्षा सात से आरुष, नैतिक गोसाई, अनिरुद्ध, नीतीश, अंशुमन, कक्षा आठ से रोहित सिंह, इशांत चौधरी, शिवांश रावत, बंसीधर, शौर्य प्रताप, कक्षा नौ ए से सागर गैरोला, समीप नेगी, गौरव सिंह, सौरभ खंडूरी, वंश कृति, कक्षा नौ बी से हर्षित नौटियाल, अनुराग, अमन नेगी, हिमांशु, शौर्य, कक्षा 10 ए से आशीष रतूड़ी, विपिन, गणेश राणा, सत्यम नेगी, विक्की चौधरी, कक्षा 10 बी से निखिल केशव मिश्रा, अक्षय जोशी, अभिनव सकलानी, निशांत शर्मा, कक्षा 11 ए से मोहित, वंश, रितेश कुकरेती, कक्षा 11 बी से अंशुमान कुकरेती, वैभव देवस्य बहुगुणा, कक्षा 12 ए से अमन सकलानी, गौरव गैरोला, अभिषेक कुकरेती, अभिषेक राणा, प्रियांशु पुंडीर, कक्षा 12 बी से रोहित कुमार, गौरव खंडोली, हार्दिक गोसाई, प्रिंस सुशांत सेमवाल, अनीश जोशी, कक्षा 12 सी से पीयूष डबराल, विनायक जोशी, दीपांशु रावत, रुद्राक्ष, प्रिंस लिंगवाल सांसद बनाए गए। प्रधानाचार्य ने कहा कि इससे छात्रों को लोकतांत्रिक गतिविधियों की समझ आती है।

वक्फ बोर्ड कानून समाज हित में : बंसल

विकासनगर। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा की निगम रोड स्थित एक कम्युनिटी सेंटर में मंगलवार को वक्फ संशोधन कानून को लेकर संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं ने वक्फ कानून को देश में एकता और समरसता पैदा करने के साथ ही मुस्लिम समाज के आम लोगों के हित में बताया। साथ ही वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के महत्व और इसके संभावित प्रभावों पर चर्चा की। राज्य सभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन कानून समाज में पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे आम मुसलमान को फायदा होगा।

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतें तय समय पर निस्तारित करें डीएम

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से पोर्टल के माध्यम से कॉल कर उनकी शिकायतों के निस्तारण के संबंध में जानकारी दें। अगर कोई मामला विभागीय स्तर का नहीं है तो उसको संबंधित स्तर पर स्थानांतरित करें। कोई भी प्रकरण 36 दिनों से अधिक लम्बित न रहे। मंगलवार को डीएम ने बैठक में जिले में सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। उनके निराकरण की प्रगति और आ रही बाधाओं पर चर्चा की। उन्होंने जल निगम, जल संस्थान, लोनिवि, राजस्व, स्वास्थ्य आदि विभागों के अधिकारियों को लंबित मामलों का जल्द निस्तारण करने की हिदायत दी। सीएम हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन और सुशासन के दृष्टिगत विभागीय अधिकारियों के आपसी सामंजस्य व सहयोग से कार्य करने को कहा। बैठक में डीएफओ डीपी बलूनी, एडीएम पीएल शाह, एसडीएम भटवाड़ी शालिनी नेगी, सीएमओ डॉ. बीएस रावत, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी, मुख्य कृषि अधिकारी सचिन कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एचएस बिष्ट आदि थे।

पॉलीहाउस में फूल और सब्जी का उत्पादन कर मुनाफा कमा रहे चमोली के काश्तकार

– चमोली में उद्यान विभाग ने 900 काश्तकारों को अनुदान पर उपलब्ध कराए पॉलीहाउस

चमोली। चमोली जिले में उद्यानीकरण में सरकार के सहयोग से आधुनिक तकनीकों का उपयोग काश्तकारों के लिए मुनाफे का सौदा साबित हो रहा है। जिले में उद्यान विभाग की ओर से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से करीब 900 से अधिक काश्तकारों को पॉलीहाउस उपलब्ध कराये गए हैं। इन पॉलीहाउस में काश्तकार सब्जी और फूलों का उत्पादन कर अच्छा मुनाफा कमा रहे है। जिससे काश्तकारों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। चमोली जिले में उद्यान विभाग की ओर से वर्तमान तक सौ से अधिक काश्तकारों को पॉलीहाउस आवंटित किए गए हैं। उद्यान विभाग के पीवीडीओ योगेश भट्ट ने बताया कि वर्तमान में विभाग की ओर से नाबार्ड की आरआईडीएफ योजना के तहत 80 फीसदी के अनुदान तथा 20 फीसदी काश्तकार अनुदान पर पॉलीहाउस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना के तहत काश्तकारों को 50 से 500 वर्ग मीटर आकार के पॉलीहाउस लगाने की सुविधा दी जा रही है। योजना में काश्तकार को पॉलीहाउस के साथ ही अन्य सुविधाएं भी दी जा रही हैं। इसके साथ ही योजना से लाभान्वित होने वाले काश्तकारों को विभाग की ओर तकनीकी सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के पहले आओ पहले पाओ के आधार पर संचालित की जा रही है। योजना के तहत 37 काश्तकारों के आवेदन विभाग को प्राप्त हुए हैं जबकि 23 काश्तकारों को पॉलीहाउस उपलब्ध कराए गए हैं।

क्या कहते हैं काश्तकार

1. चमोली के नौली गांव निवासी देवेंद्र का कहना है कि पॉलीहाउस की मदद से बेमौसमी सब्जियों का उत्पादन कर पा रहा हूँ। जिससे बाजार में सब्जियों के बेहतर दाम मिलने से आय में वृद्धि हुई है। बताया कि पॉलीहाउस में सब्जियों के उत्पादन से बंदर, लंगूर और मवेशियों के साथ ही मौसम से होने वाली दिक्कतों से भी निजात मिलती है।

2. रौली गांव में लिलियम की खेती कर रहे नीरज का कहना है कि उद्यान विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए पॉलीहाउस में लिलियम का उत्पादन किया जा रहा है। लीलियम के विपणन से आर्थिकी को मजबूती मिल रही है। युवाओं के लिए पॉलीहाउस में सब्जी और फूलों का उत्पादन अच्छा स्वरोजगार है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com